

वर्ष-23 अंक- 38
पृष्ठ 8
शनिवार
24 अक्टूबर 2026
प्रतः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

प्रयागराज से प्रकाशित

Email : shaharsamta@gmail.com

Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध-

बात-बात पर क्यों डर जाते...

विचार-

रिजीम चेंज पर बवाल

खेल-

क्राइस्टचर्च में 2-0 की बढ़त...

नागरिक संतुष्टि ही लोकसेवक का रिपोर्ट कार्ड-योगी

विकसित भारत के निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका अहम : पीएम मोदी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक आम आदमी का अपने काम के लिए कार्यालय दर कार्यालय भटकना पूरे सिस्टम पर सवालिया निशान खड़ा करता है। किसी बुजुर्ग, युवा, महिला, किसान या जरूरतमंद को निराश लौटना पड़े और उसे समयबद्ध समाधान न मिले, तो लोक सेवा का उद्देश्य पूरा नहीं होता। नागरिक संतुष्टि ही किसी भी लोकसेवक का रिपोर्ट कार्ड है। उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सक्षम, संवेदनशील और जवाबदेह बनाने के लिए सही व्यक्ति को सही पद पर तैनात करने की व्यवस्था विकसित की जाएगी। अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यक्षमता, उपलब्धियों और सक्सेस स्टोरी को वार्षिक गोपनीय आख्या एसीआर तथा पदोन्नति से जोड़ने की दिशा में काम होगा। मुख्यमंत्री शुक्रवार को लोकभवन में मिशन कर्मयोगी अंतर्गत 'साधना श्रृंखला' की उत्तरी क्षेत्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने तीन महत्वपूर्ण पहल की घोषणा करते हुए डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी उपाम को एआई सेंटर ऑफ



एक्सीलेंस के रूप में विकसित करने, पंचायतों और नगर निकायों के कार्मिकों की क्षमता बढ़ाने तथा 'राइट पर्सन फॉर द राइट रोल' की अवधारणा को प्रभावी बनाने पर जोर दिया। आज भी किसी बुजुर्ग को पेंशन के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। शॉफिस-ऑफिस धारावाहिक का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि एक नागरिक का सामान्य से काम के लिए विभिन्न कार्यालयों में भटकना पूरे सिस्टम पर सवाल खड़ा करता है। समस्याओं को जानबूझकर लटकाना या जानकारी के अभाव में समाधान न कर पाना, दोनों स्थितियां प्रशासन के लिए गंभीर हैं। एक अयोग्य व्यक्ति का जिम्मेदार पद पर बैठना भी खतरनाक है और

एक लापरवाह व्यक्ति का वहां बने रहना भी। कई बार कर्मचारी अपने अधिकारों और पदोन्नति को लेकर सजग रहते हैं, लेकिन अपने दायित्वों के प्रति अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाते। मुख्यमंत्री ने क्षमता विकास आयोग से आग्रह किया कि उत्तर प्रदेश में क्षमता विकास के लिए उपाम को एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित करने की दिशा में सहयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल तकनीक शासन का स्वरूप तेजी से बदल रहे हैं। लोक सेवकों को इन बदलावों के अनुरूप सक्षम बनाना आवश्यक है। 'राइट पर्सन फॉर द राइट रोल' यानी सही भूमिका के लिए सही व्यक्ति की अवधारणा को प्रभावी बनाया जाए।

● सही पद पर सही अधिकारी ही तैनाती, कार्य प्रदर्शन को जोड़ा जाएगा एसीआर व प्रमोशन से

मिशन कर्मयोगी लोक सेवा की कार्यसंस्कृति में परिवर्तन का राष्ट्रीय अभियान है। उत्तर प्रदेश के 19.26 लाख से अधिक सरकारी कार्मिक आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल पर पंजीकृत हैं और अब तक लगभग चार करोड़ प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरे कर चुके हैं। प्रदेश के 334 से अधिक प्रशिक्षण संस्थान उन्नति पोर्टल से जुड़े हैं। मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में सड़क निर्माण का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने एक सड़क को दो लेन से चार लेन बनाने के निर्देश दिए थे, लेकिन अभियंताओं ने उसे जमीन से करीब तीन मीटर ऊंचा उठा दिया। इससे आसपास की घनी आबादी के लोगों का आवागमन बाधित हो गया। डिग्री और नियुक्ति पत्र प्राप्त कर लेना ही किसी व्यक्ति को योग्य अभियंता या सक्षम अधिकारी नहीं बना देता। उत्तर प्रदेश ने नीतिगत ठहराव से बाहर निकलकर विभिन्न क्षेत्रों में 36 सेक्टरल पॉलिसीज तैयार की

हैं। 2017 से पहले की व्यवस्था पर निशाना साधते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य होने के साथ अत्यंत उपजाऊ भूमि, प्रचुर जल संसाधनों और देश की सबसे बड़ी युवा कार्यशक्ति वाला प्रदेश है। शासन व्यवस्था नागरिक केंद्रित होने के बजाय सत्ता केंद्रित हो गई थी। पिछले साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश की अर्थव्यवस्था, बजट और प्रति व्यक्ति आय को तीन गुना करने में सफलता मिली है। वर्ष 2017 में प्रदेश के पास लगभग डेढ़ एक्सप्रेसवे थे, जबकि आज देश के एक्सप्रेसवे नेटवर्क का करीब 60 प्रतिशत उत्तर प्रदेश में है। प्रदेश सड़क, रेल और हवाई संपर्क में नंबर वन है। यहां देश की पहली रैपिड रेल संचालित है और सात शहरों में मेट्रो सेवाएं चल रही हैं। साढ़े नौ वर्षों में 65 लाख गरीब परिवारों को आवास उपलब्ध कराए गए, तीन करोड़ से अधिक परिवारों के घरों में शौचालय बनाए गए और 15 करोड़ से अधिक लोगों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने कि मिशन के संत, आचार्य, साधक और कार्यकर्ता विकसित भारत के निर्माण में अहम भूमिका

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि युवाओं को देश की प्रगति से जोड़ना, समाज को बांटने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट करना और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करना जरूरी है। श्री मोदी आज यहां चिन्मय अमृत महोत्सव वैश्विक सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने चिन्मय मिशन से विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वामी चिन्मयानंद जी का मुख्य विचार युवाशक्ति के निर्माण के जरिए सशक्त भारत बनाना था। चिन्मय मिशन के युवा कार्यकर्ताओं ने करीब 300 दिनों में 40 हजार किलोमीटर की यात्रा कर एक लाख से अधिक युवाओं से संपर्क किया है। उन्होंने कहा कि 2047 में देश की आजादी के 100 साल पूरे होंगे और इसी कालखंड में चिन्मय मिशन भी अपनी शताब्दी मनायेगा। ऐसे में विकसित भारत और चिन्मय मिशन की यात्रा को साथ आगे बढ़ाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि मिशन के संत, आचार्य, साधक और कार्यकर्ता विकसित भारत के निर्माण में अहम भूमिका



निभायेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वामी चिन्मयानंद जी ने भारतीय ज्ञान, संस्कृति और विरासत को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया। चिन्मय मिशन के 100 से अधिक शिक्षण संस्थान बच्चों और युवाओं को आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय संस्कार भी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वामी जी आध्यात्मिक उन्नति को व्यक्तिगत विकास और व्यक्तिगत विकास को राष्ट्र की प्रगति से जोड़ने की सीख देते थे। श्री मोदी ने नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें भारतीय ज्ञान परंपरा, मातृभाषा में शिक्षा, आधुनिक विज्ञान और नयी तकनीक को महत्व दिया गया

है। उन्होंने कहा कि देश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और उसके प्रति गर्व की भावना को मजबूत करना जरूरी है। काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में राम मंदिर और उज्जैन के महाकाल महालोक जैसे केंद्रों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के सांस्कृतिक केंद्रों का पुनर्जागरण हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 12 वर्षों में विदेशों में चोरी कर ले जायी गयी 650 से अधिक प्राचीन मूर्तियों को वापस लाया गया है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग संस्थाओं के उद्देश्य भले ही अलग हों, लेकिन देश का विकास और गौरव सभी का साझा लक्ष्य है।

मुंबई की मेयर को धमकी भरा मेल, निशाने पर दिलजीत दोसांझ का कॉन्सर्ट

मुंबई, एजेंसी। मुंबई की मेयर को एक धमकी भरा ईमेल मिला, जिसमें उनके कार्यालय और 27 नवंबर को शहर के महालक्ष्मी रेसकोर्स में होने वाले पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के इंडिया टूर इवेंट को निशाना बनाने की धमकी दी गई है। ईमेल में बॉलीवुड सुपरस्टार अमिताभ बच्चन की निशाना बनाने की धमकी दी गई है। दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए 30 अक्टूबर को राजधानी में होने वाले दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। पुलिस ने इस बारे में टिकट पार्टनर श्बुकमायशो (तववाडलौवू) को एक पत्र लिखा था। हालांकि, गुरुवार शाम तक, टिकटिंग पार्टनर ने अपने ऐप या वेबसाइट से शो की लिस्टिंग नहीं हटाई थी। दोसांझ के शॉर्आ इंडिया टूर का कॉन्सर्ट जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होने वाला था। श्बुकमाईशो (तववाडलौवू) को लिखे एक पत्र में, डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (दक्षिण जिला) के कार्यालय ने कहा, आपके आवेदन के संदर्भ में, आपको सूचित किया जाता है कि 30.10.2026 को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में दिलजीत दोसांझ के शॉर्आ इंडिया टूर (दिल्ली) के आयोजन के लिए आपके अनुरोध की हमारे कार्यालय द्वारा समीक्षा की गई है। सुरक्षा संबंधी विशिष्ट खतरों के इनपुट, मौजूदा त्योहारी सीजन के कारण सुरक्षा और कानून-व्यवस्था से जुड़ी विभिन्न जिम्मेदारियों, तथा कानून-व्यवस्था से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण चिंताओं को देखते हुए, इस अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) अनंत मित्तल ने पुष्टि की कि अनुमति नहीं दी गई थी, लेकिन उन्होंने इस बारे में और जानकारी देने से परहेज किया।

जेल के अंदर हों या बाहर, आंदोलन रहेगा जारी

सीजेपी ने बताया कब तक करते रहेंगे विरोध

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉंग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता आशुतोष रांका ने शुक्रवार को स्पष्ट किया है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं के मामले में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर उनका विरोध प्रदर्शन आगे भी जारी रहेगा। यह बयान ऐसे समय में आया है जब सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका, सौरभ दास, राष्ट्रीय संगठन प्रभारी अजिंक्य शिंदे और कानूनी मामलों की प्रमुख रत्न सिंह शुक्रवार को मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंचे। यह कदम दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच के समक्ष पेश होने के लिए एक दिन पहले अतिरिक्त समय मांगे जाने के बाद उठाया गया है। इन नेताओं को गुरुवार दोपहर राजौरी गार्डन स्थित



दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच कार्यालय में पेश होना था, लेकिन उन्होंने इसके लिए अधिक समय की मांग की थी। पुलिस स्टेशन से बाहर आने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए आशुतोष रांका ने कहा कि हमें अभी अगली तारीख नहीं मिली है। पहली तारीख पर हम नहीं जा पाए थे, जिसकी सूचना हमने दे दी थी। उन्होंने कहा है कि वे समय की पुष्टि करेंगे, इसलिए हम क्राइम ब्रांच के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि शुक्रवार को न्यायिक हिरासत से रिहाई के बाद उनके मुचलकों

की सत्यापन प्रक्रिया पूरी हो गई है, जो पूरी तरह ठीक रही और उन्हें नवंबर के तीसरे सप्ताह की अगली तारीख दी गई है। आंदोलन के रुख पर बात करते हुए रांका ने कहा कि हम नेता नहीं हैं। हम इस मंच के संरक्षक हैं, जो देश के लोगों ने हमें दिया है। हम बस अपना सर्वश्रेष्ठ करने की कोशिश कर रहे हैं। जेल के अंदर हों या बाहर, आंदोलन जारी रहेगा। जाहिर है, हमने अपने बारे में और जिस तरह से शासन प्रणाली काम कर रही है, उसके बारे में बहुत कुछ सीखा है।

दिल्ली: मतदाता सूची के एसआईआर के विरोध में मार्च, कई प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया

दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में एसआईआर के खिलाफ मार्च के दौरान दिल्ली पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। यह मार्च मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में भारत निर्वाचन आयोग मुख्यालय की ओर बढ़ रहा था। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारे लगाए। उन पर मतदाताओं के कथित विलोपन का आरोप लगाया गया।

नारों में ज्ञानेश कुमार, इस्तीफा दोष और खोट चोरी बर्दाश्त नहीं जैसे शब्द शामिल थे। इस प्रदर्शन में वरिष्ठ सीपीआई(एम) नेता वृंदा करात भी शामिल हुईं।

ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक वीमेंस एसोसिएशन (एआईडीब्ल्यूए) और ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन (एआईडीएसओ) के सदस्य भी मौजूद थे।

एससी-एसटी एक्ट के दुरुपयोग पर शीर्ष अदालत सख्त: कहा- कर्ज वसूली के विवाद को जातिगत भेदभाव का रंग न दें

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी एक्ट के दुरुपयोग पर सख्त टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि कर्ज वसूली जैसे व्यावसायिक विवाद को जातिगत अत्याचार का रंग नहीं दिया जा सकता। ऐसे मामलों में आपराधिक मुकदमा चलाना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। कोर्ट ने कहा कि जाति के आधार पर अपमान का ठोस आरोप होना आवश्यक है। इसी आधार पर जस्टिस जेबी पारदीवाला व जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारियों के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज एफआईआर रद्द कर दी। यह एफआईआर 2019 में हैदराबाद में दर्ज हुई थी। एसबीआई ने एक कंपनी को कर्ज दिया था। 2016 में कंपनी के खाते गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) हो गए थे। कंपनी के निदेशक वई राजशेखर ने बैंक अधिकारियों पर जातिगत भेदभाव का आरोप लगाया। उन्होंने फर्जी दस्तावेज बनाने और गलत जानकारी देने की बात कही थी। पुनरुद्धार पैकेज देने से इन्कार करने का आरोप भी लगाया गया था। बैंक अधिकारियों की याचिका पर तेलंगाना हाईकोर्ट ने इस मामले में दखल देने से इन्कार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले से असहमति जताई। कोर्ट ने कहा, मूल रूप से यह कर्ज वसूली विवाद है। कोर्ट ने कहा, यह जातिगत भेदभाव का मामला नहीं है। पीठ ने केस रद्द करते हुए कहा, अधिकारियों पर निदेशकों का जाति के आधार पर अपमान करने का कोई विशिष्ट आरोप नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने शिकायत में विरोधाभासों को नोट किया। कंपनी को एससी-एसटी महिलाओं की ओर से प्रबंधित बताया गया था, जबकि कंपनी की एमडी महिला नहीं है।



दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र



Website
www.shaharsamta.com



Subscribe on YouTube
youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल में मरीज और चालक को बंधक बनाकर पीटने का आरोप, हंगामा

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज स्थित एसआरएन अस्पताल में मरीज और चालक को बंधक बनाकर पीटने का आरोप लगा है। 25 से 30 डॉक्टरों पर लाठी-डंडे और लोहे की रॉड से हमला करने का आरोप लगा है। इलाज को लेकर विवाद हुआ था। प्रयागराज के स्वरूपरानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल में मरीज



के इलाज को लेकर हुए बृहस्पतिवार विवाद में डॉक्टरों पर मरीज और उसके चालक को बंधक बनाकर पीटने का आरोप लगा है। अल्लापुर निवासी सर्वेश शुक्ला ने आरोप लगाया है कि 25 से 30 डॉक्टरों ने लाठी-डंडे और लोहे की रॉड से हमला किया। उन्हें कमरे में बंद कर गला दबाने की कोशिश की गई। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सर्वेश शुक्ला के आरोपों के मुताबिक, अस्पताल में मरीज के इलाज को लेकर विवाद शुरू हुआ था। इसी दौरान बड़ी संख्या में डॉक्टरों ने उनके और चालक के साथ मारपीट की। आरोप है कि दोनों को कमरे में बंद कर दिया गया और लाठी-डंडों व लोहे की रॉड से हमला किया गया। इस दौरान गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की गई।शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि घटना के दौरान उनकी दो तोले की सोने की चेन और आईफोन भी गायब हो गया।

बीस साल से संपर्क मार्ग जर्जर, गह्वों से परेशान ग्रामीण

प्रयागराज। शीतलापुर संपर्क मार्ग की बदहाली से राहगीर परेशान हैं। करीब तीन किलोमीटर सड़क 20 वर्षों से जर्जर है। गिट्टी और डामर उखड़ने से जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिससे रात में हादसे का खतरा रहता है। बार-बार शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। बहरिया क्षेत्र के लोगों को रोज इसी रास्ते से गुजरना पड़ता है। सोनू यादव ने दोपहिया वाहन चालकों के गिरने का डर बताया। बब्बन यादव ने पैदल राहगीरों, विद्यार्थियों और बुजुर्गों की परेशानी का जिक्र किया। राम अभिलाष पटेल ने मरीज को अस्पताल ले जाने में दिक्कत जताई। मनोज यादव ने जनप्रतिनिधियों से सड़क बनवाने की मांग की, पर कोई ठोस पहल नहीं हुई। दिनेश यादव और राजू भारतीया सहित ग्रामीणों ने अधिकारियों से पक्की व टिकाऊ सड़क के गुणवत्तापूर्ण निर्माण की मांग की है।

बंधवा-पौंसिया दूबे मार्ग 15 वर्षों से ध्वस्त, मरम्मत की मांग

प्रयागराज। बंधवा-पौंसिया दूबे मार्ग 15 वर्षों से मरम्मत के अभाव में ध्वस्त है। लोक निर्माण विभाग के अभियंता कई



शिकायतों के बाद भी लापरवाह हैं। इससे राहगीरों को आवागमन में परेशानी होती है। बंधवा प्राइमरी स्कूल के बच्चे भी इसी मार्ग से आते-जाते हैं। समाजसेवी राहुल तिवारी ने संपूर्ण समाधान दिवस और विभाग के अभियंताओं से कई बार शिकायत की। उनकी शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिससे समस्या जस की तस है। लोक निर्माण विभाग ने दो दशक पहले यह सड़क बनाई थी, जो पांच वर्ष में ही ध्वस्त हो गई। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं। ग्रामीण धर्मेन्द्र चन्द्र ने बताया कि सड़क की मरम्मत के लिए अब जिलाधिकारी के साथ मुख्यमंत्री से शिकायत की जाएगी।

मदन मोहन मालवीय स्टेडियम ने जीता जूडो चैंपियनशिप का खिताब

प्रयागराज। मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में बृहस्पतिवार को जिला स्तरीय जूडो प्रतियोगिता आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में मदन मोहन मालवीय स्टेडियम ने ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। करीब 110 खिलाड़ियों ने विभिन्न भार वर्गों में पदक के लिए अपना दांव-पेंच आजमाया। गुरुराज सिंह अकैडमी धरवारा करछना ने प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया। सेंट कोलंबस स्कूल ने तीसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में मिनी बालक, मिनी बालिका, सब जूनियर बालक, सब जूनियर बालिका, कैंडेट बालक, कैंडेट बालिका, जूनियर बालक व सीनियर बालक-बालिका वर्गों में मुकाबले हुए। मिनी बालक वर्ग में आरव विश्वकर्मा, विवान सिंह और मानविक कुमार ने स्वर्ण पदक जीते। मिनी बालिका वर्ग में अतिशा, निष्ठा राजवंशी और श्रेया पांडे ने स्वर्ण पदक हासिल किए। सब जूनियर बालक वर्ग में विवान श्रीवास्तव, अथर्व सोनकर और रुद्रा पांडे ने स्वर्ण पदक जीते। कैंडेट बालक वर्ग में श्रेयांश गुप्ता, नीरज यादव और दिलीप कुमार ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए। इन सभी खिलाड़ियों ने अपने-अपने भार वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन व समापन

प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि उप क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह व पूर्व क्रीड़ा अधिकारी मुदस्सर चौधरी ने किया। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। समापन फतेहपुर नॉर्मल एंड पैरा जूडो संघ के अध्यक्ष शिव बहादुर पटेल ने किया। प्रयागराज नॉर्मल एंड पैरा जूडो एसोसिएशन के उपाध्यक्ष डॉ. शीतांशु शुक्ला भी उपस्थित रहे। प्रयागराज नॉर्मल व पैरा जूडो एसोसिएशन के सचिव संजय कुमार गुप्ता ने सभी अतिथि गणों, अध्यापक गणों व अभिभावकों का स्वागत किया। मिनी बालिका वर्ग में मदन मोहन मालवीय स्टेडियम की अतिशा सौरभ चौरसिया सर्वश्रेष्ठ जूडो खिलाड़ी बनीं। उन्होंने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। सब जूनियर बालक वर्ग में जी एस इंटर कॉलेज के रुद्रा पांडे ने यह उपलब्धि हासिल की। सब जूनियर बालिका वर्ग में सेंट कोलंबस स्कूल की परिधि मेहता को भी सम्मानित किया गया। कैंडेट बालक वर्ग में मदन मोहन मालवीय स्टेडियम के श्रेयांश गुप्ता सर्वश्रेष्ठ जूडो खिलाड़ी घोषित हुए।

खुशखबरी: व्हाट्सएप मैसेज से दूर होगी पेंशनर्स की मुश्किल,घर बैठे दर्ज होगी शिकायतें,नहीं काटनेपड़ेंगे चक्कर

प्रयागराज। पेंशन से जुड़ी शिकायतों को लेकर खुशखबरी है। व्हाट्सएप मैसेज से पेंशनर्स की मुश्किल दूर होगी। घर बैठे शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। एनसीआर प्रयागराज मंडल के डीआरएम ऑफिस में 15 दिसंबर को पेंशन अदालत लगेगी।

उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल ने पेंशन से जुड़ी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए व्हाट्सएप का दामन थामा है। नई व्यवस्था के तहत अब रेलवे के सेवानिवृत्त कर्मचारियों या दिवंगत कर्मियों के आश्रितों को दफ्तरों के धक्के नहीं खाने पड़ेंगे, बल्कि वे घर बैठे महज एक मैसेज के जरिये अपनी समस्याएं सीधे संबंधित अधिकारियों तक पहुंचा सकेंगे। मंडल की ओर से 15 दिसंबर को डीआरएम कार्यालय में सुबह 11रु30 बजे से पेंशन अदालत लगेगी। पेंशनभोगी या उनके परिजन अपने स्पष्ट रूप से स्कैन किए गए आवेदन



डिजिटल माध्यम का उपयोग नहीं करना चाहते वे ई-मेल आईडी aks1986@yahoo-com या वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी के आधिकारिक पते पर डाक के माध्यम से भी आवेदन भेज सकते हैं।

ट्रेनों में हर दो घंटे पर साफ किए जाएंगे शौचालय, सीलबंद बेडरोल की मिलेगी सुविधा

ट्रेनों में सफर के दौरान गंदे डिब्बे, बदबूदार शौचालय

और संबधित दस्तावेज व्हाट्सएप नंबर 7979991479 पर भेज सकते हैं।

आवेदन पर पेंशन अदालत दिसंबर-2026 स्पष्ट रूप से लिखा हो। वहीं, जो पेंशनभोगी

और गंदे या देर से मिलने वाले कंबल-चादर की शिकायतों को कम करने के लिए उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल ने एक नई व्यवस्था तैयार की है। इसके

तहत ट्रेन सफर के दौरान यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने का प्रयास किया जाएगा। इसमें हर दो घंटे पर शौचालयों की धुलाई, सैनिटाइजेशन किया जाएगा और एसी बोगियों में साफ, सैनिटाइज्ड तथा सीलबंद लिनेन (चादर-कंबल) का सेट उपलब्ध कराया जाएगा। इस व्यवस्था को लागू करने के लिए प्रयागराज मंडल ने 45.62 करोड़ रुपये की लागत

हार्डकोर्ट: मृत्यु पूर्व बयान पर संदेह के लिए ठोस आधार जरूरी, आजीवन कारावास की सजा बरकरार

प्रयागराज। इलाहाबाद हार्डकोर्ट ने हत्या के एक मामले में कहा कि मृत्यु पूर्व बयान की विश्वसनीयता पर संदेह करने के लिए ठोस आधार होना जरूरी है। केवल मामूली विरोधाभास के आधार पर मृत्यु पूर्व बयान को खारिज नहीं किया जा सकता। इलाहाबाद हार्डकोर्ट ने हत्या के एक मामले में कहा कि मृत्यु पूर्व बयान की विश्वसनीयता पर संदेह करने के लिए ठोस आधार होना जरूरी है। केवल मामूली विरोधाभास के आधार पर

मृत्यु पूर्व बयान को खारिज नहीं किया जा सकता। अदालत ने चश्मदीद गवाह की गवाही, डॉक्टर की पुष्टि और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मृतक के बयान की पुष्टि होने पर आरोपी की अपील खारिज कर दी। साथ ही हत्या के मामले खंडपीठ ने दिया है। बरेली निवासी कृष्ण कुमार उर्फ कुंभकरण पर आरोप था कि उसने फरवरी 1987 की रात को जमीन विवाद में भीम सिंह के पेट में गुप्ती से वार किया था। घायल भीम सिंह को अस्पताल ले जाया गया जहां

मुआवजे पर नहीं बनी बात तो विंध्य एक्सप्रेसवे का काम रोकेंगे किसान

प्रयागराज। विंध्य एक्सप्रेसवे के लिए भूमि अधिग्रहण और उचित मुआवजे की मांग को लेकर किसानों का आक्रोश बढ़ रहा है। भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने आंदोलन तेज करने का एलान किया है। यूनियन ने चेतावनी दी कि उचित मुआवजा न मिलने पर एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य रोका जाएगा। मियां का पूरा स्थित क्रिकेट मैदान में किसान क्रांति महापंचायत हुई। इसमें हंडिया, सोरांव और फूलपुर तहसील के सैकड़ों किसान शामिल हुए। भाकियू टिकैत के युवा प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह ने यह चेतावनी दी। उन्होंने अधिकारियों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को गुमराह करने का आरोप लगाया। अनुज सिंह ने कहा कि अधिकारी आंदोलन के संबंध में गलत रिपोर्ट भेज रहे हैं। किसानों ने विकास परियोजनाओं में अपने हितों का ध्यान रखने की मांग की। भाकियू टिकैत के जिला अध्यक्ष रमजी नक्वी के नेतृत्व में महापंचायत हुई। अनुज सिंह ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे किसानों की समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराएं। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान जब जल सत्याग्रह करते हैं तो उनकी छवि खराब करने वाली रिपोर्ट भेजी जाती है। संगठन ने कहा कि मांगें पूरी न होने पर आंदोलन तेज होगा। निर्माण कार्य रोकने के लिए किसान बाध्य होंगे। इस मौके पर लाल प्रताप यादव, सीताराम सिंह, विनोद पांडेय, देवनाथ भारतीय, महिला जिला अध्यक्ष गुंजा पटेल, भोला प्रजापति, सुभाष यादव, प्रेम पासी, फैसल, राजू, नूर हसन सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

सीए इंटरमीडिएट परीक्षा में विजयात मिश्रा सिटी टॉपर

प्रयागराज। चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) इंटरमीडिएट परीक्षा (सितंबर माह) का परिणाम बृहस्पतिवार को जारी किया गया। इसमें प्रयागराज के विजयात कुमार मिश्रा ने 377 अंक हासिल कर शहर में पहला स्थान प्राप्त किया। अनुराग यादव 365 अंकों के साथ दूसरे, काव्या केसरवानी 358 अंकों के साथ तीसरे, विवेक सिंह 346 अंकों के साथ चौथे और तुषार यादव 334 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे। खास बात यह है कि सभी पांचों टॉपर दोनों ग्रुप की परीक्षा एक साथ पास करने में सफल रहे। परीक्षा परिणाम के अनुसार ग्रुप-एक में 1,००,३०1 परीक्षार्थियों में से 23,21० सफल हुए। वहीं ग्रुप-दो में 68,4०० परीक्षार्थियों में से 12,938 ने सफलता हासिल की। दोनों ग्रुप की परीक्षा एक साथ देने वाले 38,३39 परीक्षार्थियों में से 5,०66 उत्तीर्ण हुए। सीए स्टूडेंट्स प्रयागराज एसोसिएशन की ओर से सफल विद्यार्थियों को बधाई दी। साथ ही प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सीए अभिनय कोहली, उपाध्यक्ष सीए शैकी कसेरा, सचिव सीए अता उर रहमान, कोषाध्यक्ष सीए रोहन केसरवानी, हेड सीए स्टूडेंट्स प्रयागराज एसोसिएशन के सीए सुशील कुमार शुक्ला ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एफआईआर में जातिसूचक गाली का हूबहू उल्लेख नहीं होने से मामला खत्म नहीं होता: हार्डकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हार्डकोर्ट ने एससी-एसटी एक्ट के मामले में कहा कि एफआईआर में जातिसूचक गाली का हूबहू उल्लेख नहीं होने मात्र से मामला खत्म नहीं हो जाता। इस टिप्पणी संग कोर्ट ने एससी-एसटी एक्ट मामले में समन आदेश सहित मुकदमे की पूरी कार्यवाही रद्द करने की यांचाी खारिज कर दी। यह आदेश न्यायमूर्ति संतोष राय ने नितेश बिंद व अन्य की अपील पर दिया। मामला मछलीशहर थाने में दर्ज एफआईआर से संबंधित है। आरोपी और पीड़ित ग्राम दाउदपुर, मछलीशहर के निवासी हैं। याचियों ने अपील में जौनपुर के विशेष न्यायाधीश की ओर से तीन दिसंबर 2025 को पारित संज्ञान व तलब आदेश को चुनौती दी थी। याचिओं के अधिवक्ता ने दलील दी कि एफआईआर में किसी विशिष्ट जातिसूचक गाली का हूबहू उल्लेख नहीं है। ऐसे में एससी-एसटी एक्ट के आवश्यक तत्व पूरे नहीं होते। इस आधार पर समन आदेश निरस्त किया जाना चाहिए। राज्य की ओर से पेश हुए अधिवक्ता ने तर्क दिया कि एफआईआर में चोट पहुंचाने और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के स्पष्ट आरोप हैं। घायलों के बयानों में आरोपियों की भूमिका बताई गई है और इसकी पुष्टि इंजरी रिपोर्ट से भी होती है। कोर्ट ने पाया कि एफआईआर में नितेश बिंद, पिंटू और रंजीत नामजद हैं। जांच के दौरान घायलों के बयानों में नितेश बिंद और रंजीत बिंद की भूमिका सामने आई।

चयन के लिए आयोग तैयार, अब अधियाचन का इंतजार

प्रयागराज। प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) भर्ती के लिए संशोधित अर्हता की सूची शासन स्तर से जारी कर दी गई है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय अब संशोधित अधियाचन तैयार कर रहा है और जल्द ही उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग को भेजेगा। चयन आयोग भी इसकी तैयारी में है सिर्फ अधियाचन आने का इंतजार है। इन्हीं सभी मुद्दों के लेकर उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग से बृहस्पतिवार को बैठक आयोजित हुई। बैठक में आयोग के अध्यक्ष प्रशांत कुमार वर्चुअल मोड में उपस्थित रहे। बैठक में आगामी दिनों में होने वाली अहम परीक्षाओं व साक्षात्कार से जुड़े मामलों पर चर्चा हुई।

लक्ष्मण को शक्तिबाण लगा तो रामा दल में मच गया हाहाकार

प्रयागराज। जय मां शारदा धार्मिक प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित रामलीला महोत्सव में बुधवार को लक्ष्मण शक्ति लीला का मंचन हुआ। लंका पर चढ़ाई के बाद लक्ष्मण और मेघनाथ के बीच भयंकर युद्ध छिड़ गया। मेघनाथ के हारने पर उसने लक्ष्मण पर



शक्ति का संधान किया। शक्तिबाण लगते ही लक्ष्मण मूर्छित होकर गिर पड़े। युद्ध भूमि में उनके मूर्छित होने की खबर से रामा दल में हाहाकार मच गया। सुषेण वैद्य के बताने पर हनुमान रात में हिमालय से संजीवनी बूटी लाए। वैद्य सुषेण द्वारा संजीवनी बूटी पिलाते ही लक्ष्मण की मूर्छा दूर हुई।

इसके बाद हुए भीषण संग्राम में लक्ष्मण ने मेघनाथ का वध कर दिया। रामलीला का ध्वनि प्रकाश के उचित समायोजन से आकर्षक ढंग से मंचन किया गया। इस अवसर पर प्रबंधक संजीव जायसवाल, लालसिंह, संतोष मोदनवाल, भारत जायसवाल और महेश केसरवानी जैसे प्रमुख लोग उपस्थित थे।

भगवान राम के तीर से रावण का हुआ अंत

प्रयागराज। आदर्श रामलीला कमेटी ने नगर पंचायत कार्यालय पर रामलीला के 14वें दिन का मंचन किया। मंगलवार को लक्ष्मण ने मेघनाथ का वध किया। विभीषण के बताने पर हनुमान ने अहि रावण का वध किया। उन्होंने भगवान श्री राम और लक्ष्मण को पाताल लोक से मुक्त कराया। इसके बाद रावण स्वयं युद्ध के लिए निकला। विभीषण के बताने पर प्रभु श्री राम ने अग्निबाण से रावण की नाभि पर प्रहार कर उसका अंत कर दिया। लोगों ने भगवान श्री राम की विजय पर जयकारे लगाए। वनवास के 14 साल पूरे होने पर भगवान श्री राम ने हनुमान को भरत के पास नंदीग्राम अयोध्या भेजा। यह सूचना राज्याभिषेक की तैयारी के लिए थी। इस दौरान अवध नारायण तिवारी और भगवान प्रसाद तिवारी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

ट्रेन के आगे कूदकर युवक ने दी जान, पहचान नहीं

प्रयागराज। मुंबई-हावड़ा रेल मार्ग पर बृहस्पतिवार को एक युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। उसकी पहचान नहीं हो सकी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शिनाख्त का प्रयास किया। लोगों ने बताया कि दोपहर में रेलवे फाटक बंद था। इरादतगंज रेलवे स्टेशन की ओर से एक ट्रेन तेजी से आ रही थी। फाटक के पास खड़े युवक ने अचानक दौड़कर ट्रेन के आगे छलांग लगा ली। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र करीब 4० वर्ष है। उसने सफेद चेकदार शर्ट और काली पैंट पहन रखी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हत्या के गवाह को धमकी देने का आरोप, घर में घुसने का प्रयास

प्रयागराज। घूरपुर के चकिया डेरा गांव में पिता की हत्या के चश्मदीद गवाह राहुल कुमार और उसके परिवार को धमकाने का मामला सामने आया है। 15 सितंबर की रात करीब 1रु30 बजे दो हमलावरों ने कुल्हाड़ी लेकर उनके घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसने का प्रयास किया। राहुल के अनुसार, 1 जून 2०26 को उसके पिता तिलकधारी की हत्या हुई थी, जिसका वह चश्मदीद गवाह है। मुकदमे में नामजद आरोपी केस वापस लेने और गवाही न देने का दबाव बना रहे हैं। परिवार के शोर मचाने पर ग्रामीण जुटे तो हमलावर भाग निकले। जाते समय उन्होंने गवाही देने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। राहुल ने पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई है। पुलिस ने दो नामजद सहित चार अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। थाना प्रभारी हरकेश सिंह ने बताया कि मामला सदिग्ध लग रहा है।

नेताओं ने परिजनों को ढाढस बंधाया

प्रयागराज। घाटमपुर निवासिनी अनीता यादव के परिजनों ने ढाढस बंधाया। इससे पहले बृहस्पतिवार को शव घर पहुंचा तो चीख-पुकार मच गया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान, विधायक गुरु प्रसाद मोर्य और जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी परिजनों से मिले। उन्होंने परिवार को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। समाजवादी पार्टी के दूधनाथ पटेल, शांति स्वरूप पटेल और धर्मेन्द्र यादव समेत कई नेता भी वहां पहुंचे। सभी ने संवेदना प्रकट की।

नौवें दिन किसानों का धरना जारी

प्रयागराज। कोड़िहार में जल निकासी और नाले पर अतिक्रमण को लेकर नौवें दिन बृहस्पतिवार को किसानों का धरना जारी रहा। इसका नेतृत्व युवा विकास पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा कर रहे हैं। किसानों का आरोप है कि नाले पर अतिक्रमण की वजह से हजारों एकड़ धान की फसल बारिश के पानी में डूब गई है। इससे किसानों की जीविका प्रभावित हुई है। अधिकारियों की लापरवाही से किसानों की समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। किसानों ने मांगे पूरी होने तक धरना जारी रखने की बात कही है। इस दौरान श्रीमन नारायण, महेंद्र पटेल, डॉ. राजकुमार केसरवानी, डॉ. रामसेवक मोर्य, नूर मोहम्मद आदि उपस्थित रहे।

नहर की मरम्मत किए जाने से किसानों को राहत

प्रयागराज। क्षेत्र के इरादतगंज स्थित नैनी रजबहा नहर के टूटे बांध का बृहस्पतिवार को मरम्मत कार्य शुरू हो गया। इससे किसानों को राहत मिली है।रविवार को नहर में पानी ओवरफ्लो होने के कारण कई स्थानों पर बांध टूट गया था। नहर का पानी खेतों में घुस गया। इससे क्षेत्र के कई गांवों में किसानों की पकी हुई धान की फसल पानी में डूब गई थी। खेतों में अचानक पानी भर जाने से किसान परेशान हो गए थे और फसल खराब होने की आशंका से खिंतित थे। नहर का पानी गांव के रास्तों पर भी भर गया था, जिससे आवागमन बाधित हो गया था। किसान रामसजीवन, शिवमूरत और हरिश्चंद्र ने बताया कि नहर की समय से साफ-सफाई न होने से कई वर्षों से नहर के ओवरफ्लो की समस्या होती है। मरम्मत शुरू होने से किसानों ने राहत की सांस ली है।

सम्पादकीय.....

राष्ट्रीय एकता के सूत्र

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्थापना दिवस पर होने वाले बहुचर्चित दशहरा संबोधन में संघ प्रमुख ने कहा कि हम सुनिश्चित करें कि हमारी समस्याओं का समाधान विरोध—प्रदर्शनों के बजाय समाज के भीतर से निकले। साथ ही कहा कि भारत को तोड़ने की कोशिशें सफल नहीं होंगी। यह अतार्किक है कि सत्ता बदलने से परिस्थितियां बदल जाएंगी। अतीत में भी ऐसा नहीं हुआ और भविष्य में भी न होगा। दरअसल, देश में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ एसआईआर में कथित अपारदर्शिता को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों और बाद में ‘रिजीम चेंज’ के बयानों के आलोक में भागवत ने ये टिप्पणी की। साथ ही यह भी कहा कि हाल के वर्षों में देश ने तमाम विषम—परिस्थितियों के बावजूद जो आशातीत प्रगति की है,उसे बाधित न कर पाने वाली विदेशी ताकतें हमारी एकता को तोड़ने की कोशिशें कर रही हैं। उनका मानना था कि जब विरोध—प्रदर्शनों की तपिश पर राजनीतिक दल रोटियां सेंकने लगते हैं तो आंदोलन का प्रयोग अराजकता व सार्वजनिक व्यवस्था को भंग करने में होता है। देश को विकसित राष्ट्र बनने के मार्ग से भटकाने वाली विदेशी ताकतों से नागरिकों को सतर्क रहने की जरूरत है। भागवत ने कहा कि पश्चिम से उठा एक तूफान— संस्कृति, व्यवस्था व सुरक्षा आदि को नष्ट करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने इस बाबत फ्रांस, बांग्लादेश और नेपाल आदि के उदाहरण देकर, इन देशों में हुए आंदोलनों के निहितार्थों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत में भी कुछ लोग ऐसी ही ताकतों का समर्थन करते नजर आते हैं। जिसके मूल में सत्ता हासिल करने की लालसा भी है। भागवत ने परतंत्र भारत में ‘वंदे मातरम’ को बंगाल की एकता के पर्याय के रूप में दर्शाया। उन्होंने कहा कि जब लॉर्ड कर्जन ने बंगाल को धार्मिक आधार पर विभाजित करने का प्रयास किया तो समाज ने इसका दृढ़ता से विरोध किया। मजबूरन ब्रिटिश सरकार को अपना निर्णय बदलना पड़ा। विडंबना यह रही कि देश की आजादी के समय ऐसा न हो सका क्योंकि लोग नफरत में उलझ गए और राष्ट्रीय एकता को भूल गए। अंग्रेजों ने लोगों में यह धारणा बैठा दी कि हम अलग दिखते हैं, अतरु हकीकत में भी अलग और एक—दूसरे से दूर होने चाहिए। दरअसल, सांप्रदायिक और चरमपंथी विचारधाराओं का प्रभाव लोगों पर पड़ा। राजनीतिक वर्चस्व की लालसा और कुछ लोगों की स्वार्थपूर्ति के चलते हमने राष्ट्रीय एकता के सिद्धांतों का त्याग कर दिया। तुष्टीकरण की सोच के चलते राष्ट्र का विभाजन हुआ। दरअसल, भागवत की टिप्पणी उन बयानों के जवाब में थी, जिसमें एसआईआर में अनियमितताओं के विरोध में उपजे आंदोलन को सत्ता परिवर्तन की लड़ाई बताया जा रहा था। संघ प्रमुख ने विकास से उपजी चुनौतियों पर भी दृष्टिपात किया। उन्होंने कहा कि विकास मनुष्य के लिए प्रतिकूल परिणाम पैदा करने वाला नहीं होना चाहिए। उनका इशारा विकास और पर्यावरण असंतुलन के कारण नेपाल में आई भयावह जलप्रलय की ओर था। उन्होंने भारत, चीन व नेपाल में विस्तृत हिमालय पर अनियोजित व पर्यावरण विरोधी विकास के खतरों के प्रति चेताया। साथ ही कहा कि विकास की कीमत लोगों को जान देकर नहीं चुकानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विज्ञान व तकनीक की प्रगति से किसी को परहेज नहीं होना चाहिए लेकिन यह विकास पर्यावरण और नैतिकता की अनदेखी न करे। साथ ही उन्होंने भारत की धार्मिक, भाषायी और जनपान की विविधता को अक्षुण्ण रखने पर भी बल दिया। दूसरी ओर आम नागरिकों की चिंता के साथ ही भागवत भी विदेशी शक्तियों द्वारा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालित सोशल मीडिया के खतरों के प्रति सचेत दिखे। उन्होंने माना कि ये लोगों को विवेक से हटाकर उनकी सोच को दुष्प्रभावित कर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के तेज विस्तार ने इस संकट को और बढ़ाया है। उनका मानना था कि नई तकनीक का स्वागत होना चाहिए लेकिन नैतिकता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने सामाजिक विभाजन को बढ़ाने वाले इंटरनेट मीडिया को लेकर सचेत रहने की आवश्यकता पर बल दिया। ताकि वास्तविक चिंताओं पर भ्रामक विमर्श व तथ्यों के जरिये लोगों को न भड़काया जा सके। उन्होंने तमाम असहमतियों के बावजूद एकता—सामाजिक सद्भाव बनाये रखने पर जोर दिया।

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

विमर्श

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. दीपक पाचपोर



टेलीविजन पर कई बार मनोरंजन के बीच कुछ ऐसे पल सामने आते हैं, जो पुरानी यादों को ताजा कर देते हैं। ऐसा ही एक भावुक पल 'इंडिया के टॉप 1प्रतिशत द अनिल कपूर शो' ने आगामी एपिसोड में देखने को मिलेगा। शो में दिवंगत अभिनेता और फिल्मकार सतीश कौशिक जैसे दिखने वाले प्रतियोगी गगन को देखकर अनिल कपूर को अपने पुत्रों दोस्त की याद आ गई। इस दौरान उन्होंने सतीश कौशिक के साथ अपनी गहरी दोस्ती और उनसे जुड़े कई दिलचस्प किस्से साझा किए। शो में बातचीत के दौरान गगन ने बताया कि लोग अक्सर उनके चेहरे की तुलना सतीश कौशिक से करते हैं। उन्होंने दिल्ली में टीवी शो 'सुमित' संभाल लेगा' की शूटिंग के दौरान सतीश कौशिक से मुलाकात का किस्सा भी सुनाया। गगन की बातें सुनकर अनिल कपूर अपने दोस्त के साथ बिताए पलों को याद करने लगे। अनिल कपूर और सतीश कौशिक का रिश्ता सिर्फ फिल्मों में साथ काम करने तक

सीमित नहीं था। दोनों के बीच गहरी दोस्ती थी और वे एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते थे। शो में अनिल की बातों से साफ नजर आया कि सतीश कौशिक उनके लिए कितने खास थे। अपने दोस्त को याद करते हुए अनिल कपूर ने कहा, "उनके साथ मेरा जो रिश्ता था, उसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। यह शूट अगर 70 मिनट की भी हो, तो भी उनके किस्से सुनाने के लिए वक्त कम पड़ जाएगा। वो मुझसे कहा करते थे, 'तेरा टैलेंट लाजवाब है। अनिल ने बताया कि वह प्यार से सतीश कौशिक को 'डैनी डेविटो' बुलाते थे। दोनों को फिल्म 'दिव्स' बेहद पसंद थी और वे अक्सर साथ में जुड़वां भाइयों की भूमिका निभाते की कल्पना किया करते थे। इस खास रिश्ते को याद करते हुए अनिल कपूर ने कहा, "अगर मेरा कोई जुड़वां भाई बन सकता है, तो वो सिर्फ सतीश था, क्योंकि उसको मेरे बारे में हर चीज पता थी। मेरा गुस्सा, मेरी खुशी, हर चीज। वो मुझे

‘उड़ता तीर’ में सारा अली खान का किरदार रहा सीमित, आयुष्मान खुराना की एक्टिंग ने जीता दिल

फिल्म— उड़ता तीर
स्टारकास्ट— आयुष्मान खुराना, सारा अली खान, राहुल बोस,
राम कपूर, गुलशन ग्रोवर, मुकुल देव, बृजेंद्र काला
डायरेक्टर— आकाश ए कौशिक
रेटिंग— 3.5'
965

आकाश ए. कौशिक के निर्देशन में बनी फिल्म 'उड़ता तीर' आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में आयुष्मान खुराना और सारा अली खान मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। कॉमेडी से भरपूर यह फिल्म दर्शकों को हंसाने की कोशिश करती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि कैसे है फिल्म की कहानी और क्या यह दर्शकों का मनोरंजन करने में कामयाब होती है।

कहानी

फिल्म 'उड़ता तीर' की कहानी विक्रम से शुरू होती है जो एक पाकिस्तानी आईएसआई एजेंट है और भारत में रहकर अपने मिशन को अंजाम देता है। हालांकि, एक घटना के दौरान उसकी याददाश्त चली जाती है लेकिन देशभक्ति का जज्बा उसके दिल में बरकरार रहता है। परेशानी यह है कि उसे याद नहीं रहता कि आखिर उसे किस देश के लिए काम करना है। ऐसे में वह भारत के पक्ष में खड़ा हो जाता है और पाकिस्तान को खिलाफ काम करने लगता है। कहानी आगे बढ़ने के साथ विक्रम उन आतंकियों को पकड़ने में जुट जाता है जिनकी तलाश भारतीय अधिकारी कर रहे होते हैं। अब सवाल यह है कि क्या विक्रम की याददाश्त वापस आएगी? अगर ऐसा होता है, तो विक्रम यानी बिलाल की जिंदगी में आगे क्या मोड़ आएगा? इन सभी सवालों के जवाब जानने के लिए आपको फिल्म 'उड़ता तीर' देखनी होगी।



एक्टिंग

फिल्म 'उड़ता तीर' में आयुष्मान खुराना ने अपने किरदार को बेहद सहज और रियलिस्टिक अंदाज में निभाया है। उनकी एक्टिंग में स्वाभाविकता नजर आती है और वह अपने एक्सप्रेसंस, बॉडी लैंग्वेज और कॉमिक टाइमिंग से किरदार को प्रभावशाली बनाते हैं। फिल्म में उनका अंदाज दर्शकों को हंसाने के साथ-साथ कहानी से जोड़ने का काम भी करता है। वहीं, सारा अली खान ने भी अपने किरदार को अच्छे तरीके से निभाया लेकिन उनका रोल ज्यादा लंबा नहीं था। राहुल बोस और राम कपूर ने अपने अनुभव के अनुसार अभिनय किया है। गुलशन ग्रोवर अपने खास अंदाज में नजर आते हैं, जबकि मुकुल देव और बृजेंद्र काला ने भी अपनी भूमिकाओं को सहजता से निभाया है।

अनिल कपूर को आई सतीश कौशिक की याद, बोले, 'मेरा जुड़वां भाई सिर्फ वही बन सकता था



शो में दिवंगत अभिनेता और फिल्मकार सतीश कौशिक जैसे दिखने वाले प्रतियोगी गगन को देखकर अनिल कपूर को अपने पुराने दोस्त की याद आ गई। इस दौरान उन्होंने सतीश कौशिक के साथ अपनी गहरी दोस्ती और उनसे जुड़े कई दिलचस्प किस्से साझा किए।

बहुत अच्छी तरह जानता था।" उनकी ये बातें दोनों के बीच मौजूद गहरे अपनापन और आपसी समझ को बयां करती हैं। भावुक बातचीत के बीच शो में हंसी—मजाक का दौर भी देखने को मिला। गगन और अनिल कपूर ने मंच पर सतीश कौशिक का मशहूर डायलॉग, "मेरा नाम है कैलेंडर, मैं चला किचन के अंदर!" दोहराया। इस डायलॉग ने सतीश कौशिक के चिरपरिचित मजाकिया अंदाज की याद दिला दी और माहौल को खुशनुमा बना दिया। गगन की इस कोशिश से अनिल कपूर काफी खुश हुए और उन्होंने कहा, "आपने मेरा दिल जीत लिया है।" इसके बाद उन्होंने मजाकिया अंदाज में दर्शकों से कहा कि अगर किसी के पास फिल्म 'दिव्यं' से प्रेरित कहानी पर फिल्म बनाने के लिए पैसे हों, तो वह उन्हें और गगन को जुड़ावां भाइयों की भूमिका में कास्ट कर सकता है। शो का यह पल सतीश कौशिक की कला और उनके हास्य के साथ—साथ अनिल कपूर के साथ उनकी गहरी दोस्ती को भी सामने लाता है। दोनों के बीच का रिश्ता विश्वास, अपनापन और एक—दूसरे को समझने पर आधारित था। अनिल कपूर की बातें खाली हैं कि सतीश कौशिक की यादें आज भी उनके दिल में बसा जगह रखती हैं। 'इंडिया की टॉप 1: द अनिल कपूर शो' हर शनिवार और रविवार रात 8 बजे स्टार प्लस और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होता है।



19 साल बाद करीना-शाहिद का ऐसा
मिलन, वीडियो देख फैंस ने कर दी
'जब वी मेट 2' की मांग

मुंबई में हुई आईफा 2027 की प्रेस कॉन्फ्रेंस में करीना कपूर खान और शाहिद कपूर का मिलना इस वक्त चर्चा में है। दोनों को एक-दूसरे से बात करते और फिर गले मिलते देख फैंस काफी भावुक हो गए। इस पल का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बीते साल भी जब करीना और शाहिद को आईफा के मंच पर एक-दूसरे से बातचीत करते देखा गया था, तब फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं था। आईफा की प्रेस कॉन्फ्रेंस में सलमान खान, रश्मिका मंदाना और वरुण धवन समेत कई सितारे मौजूद थे, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा करीना कपूर खान और शाहिद कपूर के मिलने की हुई। दोनों के इस पल पर कई रीलस भी बनाई गईं।

जब शाहिद कपूर अली फजल और दूसरे सदस्यों से बातचीत कर रहे थे, तभी करीना कपूर खान खुद उनके पास पहुंचीं और उनसे बात की। इसके बाद दोनों ने खुशी के साथ एक-दूसरे को गले लगाया। दोनों को इस तरह साथ देखकर फैंस को उनकी फिल्म 'शजब वी मेट' के गीत और आदित्य की याद आ गई।

19 साल बाद फिर देखी वही दोस्ती, फैंस ने की जब वी मेट
2 की मांग

करीना कपूर और शाहिद कपूर को करीब 19 साल के लंबे अंतराल के बाद इस तरह गले मिलते देखकर सोशल मीडिया यूजर्स भावुक हो गए। दोनों के इस मिलन के बाद फैस ने सोशल मीडिया पर शजब वी मेट 2१ बनाने की मांग भी शुरू कर दी है।

शाहिद कपूर से आईफा में मुलाकात से पहले करीना कपूर खान के शो श्वार्ट वुमन वॉन्डर्स में अभिनेता की पत्नी और उद्यमी मीरा राजपूत भी नजर आई थीं। दोनों ने साथ में तस्वीरें साझा की थीं और एक-दूसरे की जमकर तारीफ की थी।

2007 में हुआ था शाहид-करना का ब्रेकअप शाहिद कपूर और करीना कपूर का रिश्ता बॉलीवुड के सबसे चर्चित रिश्तों में से एक रहा है। दोनों ने करीब 3 से 4 साल तक एक-दूसरे को डेट किया था। हालांकि, इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी फिल्म रजब दी मेटर की शूटिंग के दौरान साल 2007 में दोनों के ब्रेकअप की खबरें तेजी से सामने आई थीं। फिल्म की शूटिंग के आखिरी दिनों में दोनों के अलग होने की खबरों ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं।



मुंबई में बम धमाकों की धमकी: अमिताभ बच्चन का 'जलसा' और दिलजीत दोसांझ का कॉन्सर्ट निशाने पर, पुलिस जांच में जुटी

आर्थिक राजधानी मुंबई से एक बेहद चौकाने वाली औसत सनसनीखेज खबर सामने आई है। मुंबई के एक स्कूल और बृहन्मुंबई नगर निगम मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा एक ईमेल मिला है, जिसने शहर की सुख्या एजेंसियों की नींद उड़ा दी है। इस धमकी भरे मेल में बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के जुहु स्थित बंगले जलसा और लोकप्रिय गायक-अभिनेता दिलजीत दोसांझ के आगामी कॉन्सर्ट को भी निशाना बनाने की बात कही गई है। शुक्रवार, 23 अक्टूबर 2020 को सुबह 11:31 बजे भेजे गए एक ईमेल में मुंबई के मेयर कार्यालय और एक स्कूल में धमाका करने की धमकी दी गई है। इसमें अमिताभ बच्चन के जुहु स्थित बंगले जलसा और मुंबई में होने वाले गायक-अभिनेता दिलजीत दोसांझ के आगामी कॉन्सर्ट का भी जिक्र है। ईमेल के अनुसार, मेयर कार्यालय में दोपहर 3:11 बजे और एक स्कूल में दोपहर 1:11 बजे धमाका करने की धमकी दी गई है। बताया जा रहा है कि यह संदेश सिम्थ जॉनसन नाम के एक ईमेल अकाउंट से भेजा गया है। इसे मुंबई की मेयर रिता तावडे, कॉर्पोरेटर रिता तावडे और कॉर्पोरेटर संजय शंकर घाड़ी को संबोधित करके भेजा गया था। ईमेल में 31 अक्टूबर से 27 नवंबर के बीच मुंबई की अलग-अलग जगहों पर संभावित हमलों का भी जिक्र है। इसमें खालिस्तान जिंदाबाद का नारा लिखा है और लोगों को अपने बच्चों की सुरक्षा करने की चेतावनी दी गई है। इन दावों की सच्चाई और धमकियों की गंभीरता की अभी तक स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। ईमेल में 31 अक्टूबर को मुंबई में अमिताभ बच्चन के आवास श्वलसा पर ग्रेनेड से हमला करने की धमकी दी गई है। इसमें 1984 के सिख-विरोधी दंगों का भी जिक्र है और खून के बदले खून जैसी बात कही गई है। इसके अलावा, ईमेल में 27 नवंबर को महालक्ष्मी रेसकोर्स में होने वाले दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को निशाना बनाने की धमकी दी गई है। इसमें कार्यक्रम स्थल पर बम धमाका करने और गायक को निशाना बनाने की बात कही गई है। ईमेल में खालिस्तान नेनल आर्मी और शब्बर खालसा का भी जिक्र है और कई लोगों के नाम दिए गए हैं। ईमेल में किए गए दावों की अभी तक स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद, ठडर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इसके बाद मुंबई पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है और नगर निगम मुख्यालय में डॉग स्क्वाड और बम निरोधक दस्ते (बॉम्ब स्क्वाड) की टीमें पहुंच गई हैं। टीनों ने बीएमसी हॉल, असेंबली हॉल, मेयर और डिप्टी मेयर के कार्यालयों और विभिन्न समितियों के कक्षों की तलाशी लेनी शुरू कर दी है।



मुंबई में बॉलीवुड अभिनेता टाडगर श्राफ की गाड़ी पर हुई गोलीबारी की घटना के बाद पुलिस जाँच में लगातार नए तथ्य सामने आ रहे हैं। इस घटना के बाद से ही टाडगर सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल हो रहे हैं, जिसकी मुख्य वजह इंटरनेट पर वायरल हो रहे उनके दो वीडियो हैं। पहली वीडियो में टाडगर ने अपने हाथों और शरीर में पट्टियाँ बांधी हुई थीं। दूसरी वीडियो में जब वो बिना पट्टियों के सामने आए तो लोगों को उनकी त्वचा पर चोट का कोई भी निशान या घाव नजर नहीं

हाथ पर लाल धब्बे और चोटों
के निशान...टाइगर श्रॉफ पर
हुई फायरिंग के बाद अब कौंसी
है एक्टर की हालत ?

आया। इसके चलते नेटिजन्स ने उन्हें आड़े हाथों लिया और फर्जीवाड़े का आरोप लगाते हुए ट्रोल करना शुरू कर दिया। ट्रोलिंग के इस दौर के बीच अब टाइगर श्रॉफ की टीम ने मोर्चा संभालते हुए सोशल मीडिया पर एक नया वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में उन्होंने हमले के बाद टाइगर को आई असली चोटों को साफ तौर पर दिखाया है और सोशल मीडिया पर भ्रम फैला रहे ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है। टाइगर श्रॉफ की टीम द्वारा संचालित उनके आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो शेयर किया गया, जिसके कैप्शन में लिखा था, ईश्वर की कृपा है। इस छोटी वीडियो में उनके हाथ पर कई छोटे-छोटे निशान और लाल धब्बे दिखाई दे रहे हैं। तीन आरोपियों को राजस्थान के कोटा रेलवे स्टेशन से हिरासत में लिया गया है। इनकी पहचान हरियाणा के सोनीपत निवासी रेहान उर्फ ध्वसूक्काय बिहार के बेगूसराय का रहने वाला और मुंबई में रह रहा रितिक कुर्मी उर्फ रोशन और हरियाणा के फूल सिंह के रूप में हुई है। मुंबई पुलिस ने हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट (हथियार कानून) की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।



शाम की चाय के साथ केला और रोटी की पकौड़े का उठाएं लुत्फ, बच्चे भी हो जाएंगे खुश

अक्सर हमारे घरों आलू, प्याज या बैंगन के पकौड़े बनाए जाते हैं। खासकर बारिश के मौसम में हम सभी पकोड़े खाना पसंद करते हैं। लेकिन रोजाना एक ही तरह के पकोड़े खाना बोरियत भरा हो सकता है। इसलिए बच्चे हमेशा कुछ अलग बनान के लिए कहते रहते हैं। ऐसे में अगर आप भी बच्चों की फरमाइश पर कुछ अलग बनाना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके साथ आसान तरह के पकोड़े की रेसिपी बताने जा रहे हैं, जो रोटी और केले से तैयार किए जाएंगे। इन पकोड़ों को खाने के बाद हर कोई आपकी तारीफ करेगा।

- सामग्री
- केले— 2—3
- हरा धनिया— 1 बड़ा चम्मच
- नमक— स्वादानुसार
- चिली फ्लेक्स— 1 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर— आधा छोटा चम्मच
- हरी मिर्च— 1 चम्मच बारीक कटी
- बेसन— 2 बड़े चम्मच
- अजवाइन— 1/4 छोटा चम्मच
- जीरा— आधा छोटा चम्मच
- हल्दी पाउडर— चुटकी भर
- तेल— तलने के लिए
- पानी— 1 कप
- रोटी पकोड़ा बनाने की विधि

रोटी पकोड़ा बनाने के लिए सबसे पहले रात की बची रोटियां और थोड़े कच्चे केले ले लें। अब 2—3 केले को उबालकर उन्हें छील लें और फिर बाउल में मैश करके रख लें। इसके बाद इसमें 1 बड़ा चम्मच बारीक कटा हरा धनिया डाल दें। अब इसमें स्वादानुसार नमक, लाल मिर्च पाउडर, बारीक कटी हरी मिर्च और चिली फ्लेक्स अच्छे से मिक्स करें। अब बेसन का घोल तैयार करें और उसमें 2 बड़े चम्मच बेसन डालकर इसमें आधा छोटा जीरा, चिली फ्लेक्स, 1/4 छोटा चम्मच अजवाइन, नमक, बारीक कटी हुई हरी मिर्च और हल्दी पाउडर मिलाएं। इसके बाद पानी डालकर घोल बना लें। अंत में चुटरी भर बेकिंग सोडा डालें और अच्छे से मिला लें। हालांकि इस बात का ध्यान रखें कि यह घोल ज्यादा गाढ़ा या पतला न हो। इस घोल में मैश किए हुए केले अच्छे से मिला लें। फिर रोटी के 4 से 6 टुकड़े कर लें। अब कड़ाही में तलने के लिए तेल गर्म कर लें और केले व रोटी के टुकड़ को बेसन के घोल में डुबोकर कड़ाही में तलने के लिए डाल लें। फिर इनको सुनहरा ब्राउन होने तक तलें और फिर प्लेट में गर्मागर्म निकालें। इसको हरी धनिया की चटनी के साथ सर्व करें।



सभी बच्चों का अपना— अपना स्वभाव होता है। कुछ बच्चों को किसी भी बात से फर्क नहीं पड़ता वहीं कई ऐसे भी होते हैं जो छोटी सी बात पर भी डर जाते हैं। यह उनके विकास का एक सामान्य हिस्सा है। ऐसे में धैर्य, समझ और आश्वासन के शब्दों के साथ, आप अपने बच्चे को उनके डर पर काबू पाने में मदद कर सकते हैं।

पहले समझिए बच्चों में डर पैदा होने के कारण और क्या है इसका बचाव

डर का कारण छोटे बच्चों में डर का विकास एक सामान्य प्रक्रिया है। इसका कारण विभिन्न कारक हो सकते हैं, जैसेरु नई और अनजान स्थितियां: बच्चे नई चीजों और परिवेश से डरते हैं क्योंकि उनके लिए यह सब अनजान होता है। अचानक तेज आवाज: बच्चों को अचानक जोर से आवाज, जैसे धमाका, तेज आवाज वाली म्यूजिक, या बिजली की कड़क से डर लग सकता है।

अकेलेपन का डर: बच्चे अपने माता—पिता से अलग होने पर घबराहट महसूस कर सकते हैं, जो एक प्रमुख कारण

पीठ दर्द एक आम समस्या है, जिसका अनुभव लोग अपने जीवन में कभी न कभी करते हैं। ज्यादातर मामलों में, यह दर्द मांसपेशियों की समस्याओं से संबंधित होता है, जैसे ज्यादा भारी सामान उठाना या लंबे समय तक एक स्थिति में बैठना। लेकिन यह पहचानना जरूरी है कि लगातार या असामान्य पीठ दर्द कभी—कभी स्पाइन कैंसर का संकेत भी हो सकता है। यह विशेषकर तब सही है जब दर्द की प्रकृ ति बदलने लगे या अन्य लक्षणों के साथ आए।

स्पाइन कैंसर क्या है? स्पाइन कैंसर में रीढ़ की हड्डी और उसके आस—पास के टिश्यू में ट्यूमर बनते हैं। इसे मुख्यतः दो प्रकारों में विभाजित किया जाता है। प्राथमिक और द्वितीयक। प्राथमिक स्पाइन कैंसर उन टिश्यू से उत्पन्न होता है जो रीढ़ की हड्डी को बनाते हैं, जबकि द्वितीयक स्पाइन कैंसर तब होता है जब कैंसर शरीर के अन्य अंगों से फैलता है, जैसे कि फेफड़े या स्तन। स्पाइन कैंसर का कमर से ऊपर होना आम है और यह अक्सर गंभीर बीमारी का संकेत होता है।

स्पाइन कैंसर के शुरुआती संकेत स्पाइन कैंसर के लक्षण धीरे—धीरे शुरू होते हैं, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं

- पीठ में दर्द जो अचानक बढ़ सकता है
- आराम करने पर भी राहत न मिलना
- रात के समय दर्द का बढ़ना
- पीठ के निचले हिस्से में झटके जैसा दर्द
- मांसपेशियों में दर्द, झुनझुनाहट, यौन रोग तथा चलने में परेशानी
- यदि आपको ये लक्षण महसूस होते हैं, तो इसे गंभीरता से लेना आवश्यक है।

जांच के तरीके स्पाइन कैंसर का निदान करने के लिए सबसे पहले एक विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए। इसके बाद, कई तरह की

विधि



होता है।

अंधेरे का डर: अंधेरे में कुछ देखने या समझने में कठिनाई के कारण बच्चे डर सकते हैं।

कल्पनाएं और कहानियां: बच्चे अपनी कल्पनाओं में भूत—प्रेत या काल्पनिक पात्रों से डरने लगते हैं।

बच्चों में डर के लक्षण बच्चों में डर के कुछ सामान्य लक्षण होते हैं, जिनमें शामिल हैं

रात को जागना और डरना: बच्चे अक्सर नींद में अचानक जाग जाते हैं और किसी डरावनी चीज की शिकायत करते हैं।

माता—पिता के पास चिपकना: बच्चे डर की वजह से माता—पिता के पास रहना चाहते हैं और उनसे दूर जाने में घबराते हैं।

शारीरिक लक्षण: डर के कारण बच्चों में पसीना आना, दिल की धड़कन तेज होना, हकलाना या कांपना देखा जा सकता है।

खेलने या बाहर जाने में हिचकिचाहट: बच्चा नई जगहों

क्या पीठ दर्द स्पाइन कैंसर का शुरुआती संकेत हो सकता है? जानें कारण

जांचें की जा सकती हैं, जैसे खून की जांच यह शरीर में कैंसर के संकेतों को पहचानने में मदद करती है। डल्ट और ब् स्कैनरु ये इमेजिंग टेस्ट रीढ़ की हड्डी की संरचना की विस्तृत जानकारी देते हैं। स्पाइनल टैप्स यह जांच मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के तरल पदार्थ की स्थिति को देखती है।

स्पाइन कैंसर से बचने के लिए कुछ महत्वपूर्ण उपाय किए जा सकते हैं

- वजन को नियंत्रित रखें अधिक वजन कैंसर के जोखिम को बढ़ा सकता है।
- धूम्रपान और शराब से बचें ये दोनों कारक कई प्रकार

बात—बात पर क्यों डर जाते हैं बच्चे ? यह है फोबिया के लक्षण और बचाव के तरीके

पर जाने या खेल के दौरान दूसरों के साथ जुड़ने से डर सकता है।

अचानक चिड़चिड़ापन या रोना: किसी विशेष परिस्थिति में बच्चा बार—बार रो सकता है या चिड़चिड़ा हो सकता है।

बच्चे के अंदर को डर को कैसे खत्म करें?

समझ और धैर्य: माता—पिता को बच्चे के डर को समझने के लिए संवेदनशील और धैर्यशील होना चाहिए। उनका डर सामान्य होता है और उसे हल्के में नहीं लेना चाहिए।

सुरक्षा का एहसास कराना: बच्चे को यह विश्वास दिलाना कि वह सुरक्षित है, उसके डर को कम कर सकता है। उसे गले लगाना, पास बैठना, और बात करना सहायक हो सकता है।

खेल के माध्यम से समाधान: बच्चे को खेल—खेल में डर की स्थिति को समझाना और उसे एक सामान्य घटना के रूप में दिखाना।

डर का सामना करना: बच्चे को धीरे—धीरे उसके डर का सामना कराना, जैसे अगर उसे अंधेरे से डर है तो कमरे की लाइट धीरे—धीरे बंद करना और उसे समझाना कि कुछ भी डरावना नहीं है।

कहानी सुनाना: डर को दूर करने के लिए सकारात्मक कहानियाँ और उदाहरण सुनाना, जिससे बच्चे के मन से नकारात्मकता हटाई जा सके।

नियमित दिनचर्या: बच्चे की दिनचर्या को सुसंगत रखना ताकि वह सुरक्षित और आत्मविश्वासी महसूस कर सके।

नोट: यदि किसी बच्चे का डर लंबे समय तक बना रहता है या बहुत गंभीर होता है, तो एक बाल मनोचिकित्सक से सलाह लेना फायदेमंद हो सकता है।



के कैंसर का कारण बन सकते हैं।

3. नियमित व्यायाम शारीरिक गतिविधि से शरीर को स्वस्थ रखने में मदद मिलती है और यह कैंसर के जोखिम को कम करती है।

स्पाइन कैंसर का समय पर निदान और उपचार महत्वपूर्ण है। यदि आपको पीठ में लगातार दर्द हो रहा है, तो इसे नजरअंदाज न करें और तुरंत विशेषज्ञ से संपर्क करें। सही समय पर उपचार से रोग की गंभीरता को कम किया जा सकता है और जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है।



मार्केट में आपको लंबे बालों के लिए एक से बढ़कर एक एक्सेसरीज मिल जाएगी। ऐसे में आज हम आपको कुछ हेयर एक्सेसरीज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको देखने के बाद आप गजरा भूल जाएंगी।

जिस तरह से महिलाएं अपने आउटफिट और लुक का ध्यान रखती हैं। ठीक उसी तरह से सुंदरता बढ़ाने के लिए मैचिंग ज्वेलरी पहनना नहीं भूलती हैं। वहीं बालों की सुंदरता

भी बढ़ाने के लिए उसपर भी एक्सेसरीज लगाई जाती है। एक समय पर बालों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए गजरे का इस्तेमाल किया जाता था। फिर चाहे बाल लंबे हों या छोटे। लेकिन समय के साथ फैशन ट्रेंड में भी बदलाव आया है।

फैशन में हुए इस बदलाव के बाद अब महिलाएं अपने बालों में अलग—अलग तरह की हेयर एक्सेसरीज लगाना पसंद करती हैं। वहीं जिन महिलाओं के बाल लंबे हैं, मार्केट

सिंपल चोटी को स्टाइलिश बनाने के लिए ट्राई करें ये ट्रेंडी हेयर एक्सेसरीज, दिखेंगी बेहद खूबसूरत

में उनके लिए एक से बढ़कर एक खूबसूरत हेयर एक्सेसरीज मिल जाती हैं। जिनको आप आसानी से बालों में लगा सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ हेयर एक्सेसरीज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको देखने के बाद आप गजरा भूल जाएंगी।

ट्रेंडी हेयर एक्सेसरीज आप लंबी चोटी के साथ पर्ल स्ट्रिंग वाली हेयर एक्सेसरीज ट्राई कर सकती हैं, यह देखने में काफी अच्छी लगती है। लेकिन इस एक्सेसरीज का इस्तेमाल तब ही करें, जब आपकी ज्वेलरी में भी पर्ल का यूज किया गया हो।

कई महिलाओं व लड़कियों का हैवी एक्सेसरीज पहनने का मन होता है, तो आप मल्टी लेयरर्ड गोल्ड हेयर एक्सेसरीज चुन सकती हैं।

लंबी चोटी के साथ इस तरह की पर्ल स्ट्रिंग वाली हेयर एक्सेसरीज काफी सही दिखेगी। इसका इस्तेमाल तब करें, जब आपकी अन्य ज्वेलरी में भी पर्ल का इस्तेमाल किया गया हो। जब आपकी अन्य ज्वेलरी में भी गोल्ड हो, तो आप इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

अगर आप जूड़ा बनाना चाहती हैं, तो आप इस एक्सेसरीज को ट्राई कर सकती हैं। यह एक परफेक्ट ऑप्शन है। इसमें

एक्सेसरीज का आकार चांद के जैसा है। शादी आदि के फंक्शन में यह एक्सेसरीज आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करेगी।आप चाहें तो अलग—अलग एक्सेसरीज को अपनी चोटी में अटैच कर सकती हैं। इसको बटन हेयर एक्सेसरीज कहा जाता है। यह लंबे बालों को पर काफी ज्यादा अच्छी लगती है। इसलिए आपको इसे अपने कलेक्शन में जरूर शामिल करना चाहिए।

आप अपने बालों में गोटा पट्टी और गोल्डन चेन को भी हेयर एक्सेसरीज के जैसे इस्तेमाल कर सकती हैं। यदि आपके लहंगे में गोल्डन रंग है, तो यह एक्सेसरीज आपके लिए एकदम परफेक्ट है।

अगर आप किसी फंक्शन में चटक रंग का लहंगा पहन रही हैं, तो आप ऐसा परांदा भी अपनी चोटी में लगा सकती हैं। इसको चोटी पर क्रिस—क्रॉस की तरह बांधें। यह नीचे से जब लंबा होगा, तभी अच्छा लगेगा।

इस डिजाइन की पारंपरिक हेयर एक्सेसरीज आपकी खूबसूरती बढ़ाने का काम करेगी। आप चाहें तो इसमें अलग—अलग पैंडेट को भी जोड़कर तैयार कर सकती हैं। पैंडेट के अलावा इयररिंग्स की मदद से भी आप ऐसी एक्सेसरीज तैयार करवा सकती हैं।

संक्षिप्त



डार्क वेब पर डेटा लीक के दावे के बीच एसबीआई की सफाई, 3897 ग्राहकों के बैंक खाते बिल्कुल सुरक्षित

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने उन सभी ग्राहकों को अलग-अलग सूचित किया है जो एक साइबर हमले से प्रभावित हुए थे, जिसके कारण ग्राहकों के रिकॉर्ड ऑनलाइन उजागर हो गए थे। एक्स पर एक पोस्ट में ठग ने बताया कि उसने ईमेल और व्हाट्सएप के जरिए इन ग्राहकों को सूचित कर दिया है। बैंक ने कहा कि हाल ही में हुई साइबर घटना के संबंध में हमारी पिछली पोस्ट के बाद, बैंक ने उन सभी ग्राहकों को ईमेल और/या व्हाट्सएप के जरिए अलग-अलग सूचित कर दिया है, जिनका डेटा इस घटना में शामिल पाया गया था। हम फिर से स्पष्ट करते हैं कि आपके खाते का बैलेंस और फंड हमारे पास सुरक्षित हैं। बैंक ने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग तरीकों का पालन करें और ऑनलाइन लेनदेन करते समय सतर्क रहें। SBI ने आगे कहा कि अपना OTP, PIN या पासवर्ड कभी भी किसी भी किसी के साथ साझा न करें, और संदिग्ध कॉल, संदेशों तथा ईमेल को लेकर सावधान रहें। यह अपडेट तब आया है जब SBI ने खुलासा किया कि एक साइबर हमले में 3,897 ग्राहकों के रिकॉर्ड उजागर हो गए हैं। इन रिकॉर्ड्स में ग्राहकों की निजी जानकारी (PIF) शामिल थी, जैसे कि नाम, ईमेल, फोन नंबर और लोन से जुड़ी जानकारी। सिरियसिम नाम के एक हैकर ग्रुप ने दावा किया है कि उसने ठग के सिस्टम को हैक किया है और इस डेटा को डार्क वेब पर बिक्री के लिए डाल दिया है। हालांकि, SBI ने इस हमले के स्रोत का नाम नहीं बताया है। SBI को 16 अक्टूबर को अपने थ्रेट इंटेलिजेंस सर्विस प्रोवाइडर, डिफेंस साइबर एजेंसी और इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिसर्प्स टीम (CERT-In) से संभावित डेटा एक्सपोजर के बारे में अलर्ट मिले। इससे पहले एक बयान में, SBI ने स्पष्ट किया कि इस हमले का उसके ञ्च सिस्टम, मुख्य व्यावसायिक कार्यों, वित्तीय प्रदर्शन या कामकाज की निरंतरता पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। बैंक ने कहा, हम फिर दोहराते हैं कि हमारे ग्राहकों की वित्तीय संपत्ति और डेटा की सुरक्षा, तथा हम पर उनका भरोसा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैंक के अनुसार, इस घटना की विस्तृत जांच की जा रही है। हैकर समूह ने शुरुआत में दावा किया था कि उनके पास CSV फॉर्मेट में 3.75 लाख डेटा रोज और 2,722 PDF फाइलें हैं, जिनमें संवेदनशील व्यक्तिगत जानकारी भी शामिल है।

Driving Licence में नाम और पता अपडेट करने पर शुल्क हटाने की तैयारी

ड्राइविंग लाइसेंस में नाम और पता बदलवाने पर लगने वाला शुल्क जल्द ही खत्म हो सकता है। इसके साथ, लाइसेंस पर चालक का 'ब्लड ग्रुप', मोबाइल नंबर और आपातकालीन संपर्क नंबर दर्ज करना भी अनिवार्य करने की तैयारी है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने लाइसेंस संबंधी नियमों के मसौदे में इन बदलावों का प्रस्ताव रखा है। मंत्रालय ने केंद्रीय मोटर वाहन नियमों में संशोधन के लिए यह मसौदा जारी किया है। मंत्रालय ने भारतीय और विदेशी नागरिकों को जारी होने वाले ड्राइविंग लाइसेंस के लिए अलग-अलग रंग योजना रखने का भी प्रस्ताव किया है। मसौदे के अनुसार, लाइसेंस में नाम और पते जैसे व्यक्तिगत विवरण बदलने के आवेदनों पर लाइसेंसिंग प्राधिकरणों को 15 दिन के भीतर फैसला करना होगा। आवेदन खारिज करने की स्थिति में उन्हें इसकी वजह भी बतानी होगी। मंत्रालय ने उम्र और पते के प्रमाण के लिए कार्यकारी मजिस्ट्रेट या नोटरी के समक्ष शपथपत्र देने की अनिवार्यता समाप्त करने का प्रस्ताव किया है। इसके बजाय आधार कार्ड, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र, ई-राशन कार्ड और जन्म प्रमाणपत्र सहित विभिन्न दस्तावेजों को पहचान, उम्र और निवास के प्रमाण के रूप में स्वीकार करने की बात कही गई है। मसौदे में उम्र और पते के प्रमाण के तौर पर शपथपत्र और जीवन बीमा पॉलिसी स्वीकार करने का भी प्रस्ताव है। इसके अलावा, आधार सत्यापन के जरिये पूरी की जाने वाली कुछ ऑनलाइन ड्राइविंग लाइसेंस सेवाओं के लिए शुल्क में छूट देने की भी योजना है। मंत्रालय ने सुरक्षित ड्राइविंग से जुड़े ऑनलाइन पाठ्यक्रम के आकलन में उत्तीर्ण होने के लिए जरूरी अंकों की सीमा 60 प्रतिशत से बढ़ाकर 75 प्रतिशत करने का प्रस्ताव भी किया है।

चिराग पासवान ने चावल निर्यात में मूल्य संवर्धन और गुणवत्ता सुधार पर दिया जोर

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने शुक्रवार को कहा कि देश ने चावल उत्पादन में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन अब चुनौती मात्रा से हटकर मूल्य पर ध्यान देने की है। पासवान ने भारतीय चावल निर्यातक परिसंघ (आईआईईएफ) और अपीडा द्वारा आयोजित भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन (बीआईआरसी) के दूसरे संस्करण को संबोधित करते हुए कहा कि धान की खेती से लेकर खाने की मेज तक चावल की मूल्य शृंखला को मजबूत करने की काफी गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण अनुकूल तरीकों, गुणवत्ता प्रमाणन, अनुसंधान, नवोन्मेष और प्रसंस्कृत चावल उत्पादों पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। पासवान ने कहा, "स्वतंत्रता के बाद दशकों तक देश की प्राथमिकता खाद्य सुरक्षा और अधिक उत्पादन थी। .हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्न की कमी से उबरने में मदद की। आज, मजबूत उत्पादन क्षमता के साथ हमें प्रसंस्करण, गुणवत्ता, ब्रांडिंग, स्थिरता और मूल्य संवर्धन पर ध्यान देना चाहिए। पासवान ने 2047 तक विकसित भारत बनाने के प्रधानमंत्री के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि इसे हासिल करने में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की अहम भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि कुछ क्षेत्र अपनी विकास क्षमता की सीमा के करीब पहुंच रहे हैं, जबकि खाद्य प्रसंस्करण और इससे जुड़े क्षेत्रों में काफी संभावनाएं हैं, जिनका अभी पूरा उपयोग नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री का लक्ष्य भारत को दुनिया की खाद्य जरूरतों को पूरा करने में अहम योगदान देने वाला देश बनाना है। इसके तहत भारत न केवल अपनी खाद्य जरूरतें पूरी करेगा, बल्कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

खेल

क्राइस्टचर्च में 2-0 की बढ़त पर नजर, भारतीय गेंदबाजों को सुधारनी होगी लय

भारत पहले मैच में बल्लेबाजों के दम पर बड़ा लक्ष्य हासिल करने में सफल रहा लेकिन अगर उसे अपना विजय अभियान जारी रखना है तो न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में उसके गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पिछले कुछ समय की तरह इस मैच में भी भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन साधारण रहा। अगर बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया होता तो परिणाम उल्टा हो सकता था। भारत ने 226 रन का रिकार्ड लक्ष्य हासिल करके पांच मैच की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली लेकिन बल्लेबाजों पर अत्यधिक निर्भरता बाकी मैचों में भारी पड़ सकती है। भारत के लिए पांचवें और छठे गेंदबाज का विकल्प चिंता का विषय बना हुआ है क्योंकि चोटिल हादिक पंड्या की अनुपस्थिति में अन्य ऑलराउंडर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। पहले मैच में नीतीश रेड्डी ने चार ओवर में 40 रन दिए और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला जबकि नमन धीर को गेंदबाजी का मौका नहीं मिला लेकिन उन्होंने बल्लेबाजी में मैच विजेता पारी खेली। भारत की

गेंदबाजी की मुश्किलों को और बढ़ाने वाली बात यह है कि श्रृंखला के पहले मैच में उसके प्रमुख गेंदबाजों की जमकर धुनाई हुई। लगभग चार साल बाद भारत के लिए अपना पहला मैच खेल रहे भुवनेश्वर कुमार अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं थे और उन्होंने चार ओवरों में 49 रन लुटा दिए। उनकी दो नो-बॉल और उतनी ही वाइड गेंदों से पता चलता है कि उन्हें लय में आने के लिए और समय चाहिए। फिन एलन और उनके साथी सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने पावरप्ले में भुवनेश्वर और अर्शदीप पर मनचाहे चौके लगाकर इन दोनों तेज गेंदबाजों पर दबाव बना दिया था। दूसरे मैच में भी बल्लेबाजों के लिए परिस्थितियां अनुकूल रहने की उम्मीद है और ऐसे में गेंदबाजों को किसी भी तरह की गलती करने से बचना होगा। पहले टी20 में सबसे ज्यादा रन लुटाने वाले अक्षर पटेल पर भी दबाव होगा। भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर ने चार विकेट से जीत के बाद कहा, "हमें हार्ड लैथ पर गेंदबाजी करनी चाहिए थी, लेकिन इसके बजाय हमने ओवर पिच गेंदबाजी अधिक की।" बल्लेबाजी की बात करें तो ईशान किशन के चोटिल होने के कारण 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस मैच में मौका मिल



सकता है। उनका अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करने की उम्मीद है जबकि संजू सैमसन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आ सकते हैं। किशन के चोटिल होने के कारण तिलक वर्मा को पहले मैच में तीसरे नंबर पर भेजा गया था लेकिन अब उनके पांचवें या छठे नंबर पर ही आने की उम्मीद है। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी और एडम मिलने ने अपने पहले स्पेल में काफी सिंग हासिल की, लेकिन उनकी लैथ सैमसन और अभिषेक

के लिए पर्याप्त कारगर साबित नहीं हुई। कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी स्वीकार किया कि उनके गेंदबाजों के लिए भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना सबसे बड़ी चुनौती होगी। सैमसन और अभिषेक ने पावरप्ले में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर कहर बरपाते हुए 94 रन बनाए थे। इसके बाद सैंटनर और उनके साथी स्पिनर माइकल ब्रैसवेल ने बीच के ओवरों में भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। वह फिर से इसी तरह का प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। भारत

के बाएं हाथ के बल्लेबाजों को ऑफ-स्पिन के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा है। ब्रैसवेल के खिलाफ उनके रवैये में इसकी स्पष्ट झलक देखने को मिली थी। भारतीय बल्लेबाजी काफी मजबूत है और ऐसे में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। टीम इस प्रकार हैं भारत: श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, नमन धीर,

प्रिंस यादव, मयंक यादव, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव। न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रैसवेल, मार्क चोपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, जैक फाउल्क्स, मैट हेनरी, बेवन जैकब्स, काइल जैमीसन, एडम मिलने, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम सीफर्ट, नाथन स्मिथ। मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 12:30 बजे शुरू होगा।

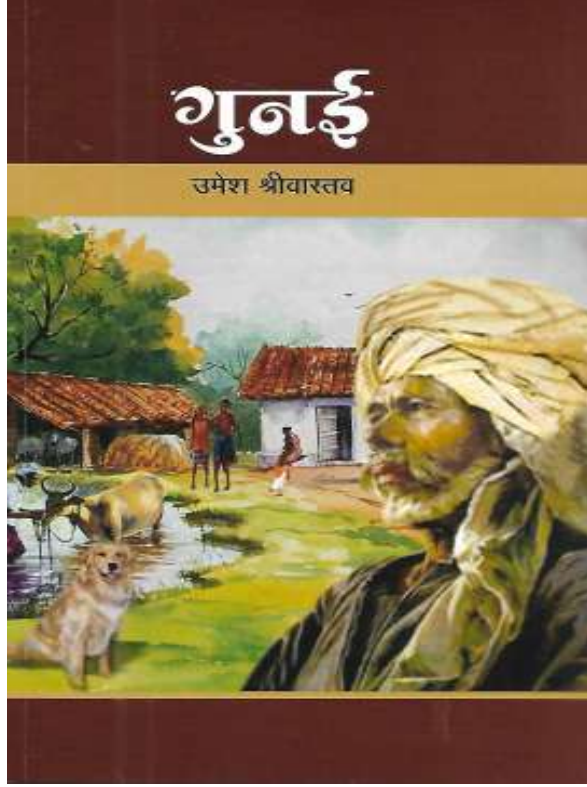
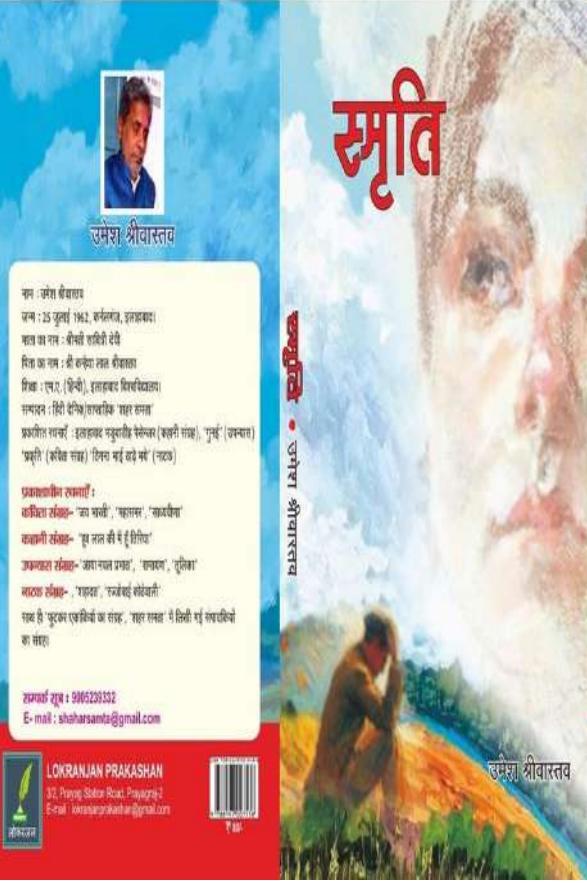
संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा के निडर खेल की कोच सितांशु कोटक ने की तारीफ

भारतीय बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की जमकर तारीफ करते हुए शुक्रवार को यहां कहा कि 'ताकत, प्रतिभा और इरादे' के अलावा इन दोनों खिलाड़ियों का अपने दिमाग पर भी जबरदस्त नियंत्रण है। कोटक ने कहा कि 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को अंतिम एकादश में शामिल करने की सोशल मीडिया पर चल रही मांग के बावजूद टीम प्रबंधन ने जिस तरह से सैमसन और अभिषेक का समर्थन किया उसके लिए उसकी सराहना की जानी चाहिए। सूर्यवंशी को एशियाई खेलों के बाद खेलने का मौका नहीं मिला है लेकिन ईशान किशन के चोटिल होने के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मैच से बाहर हो जाने के बाद अब उन्हें मौका मिल सकता है। कोटक

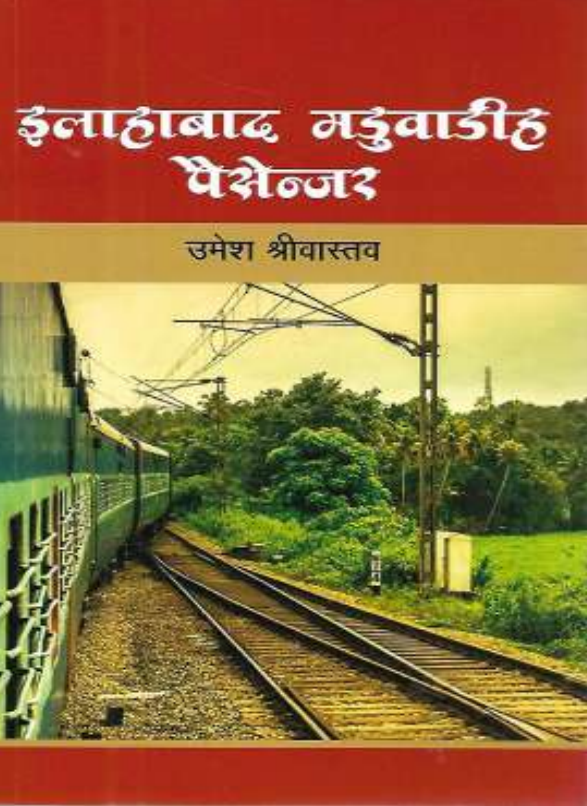
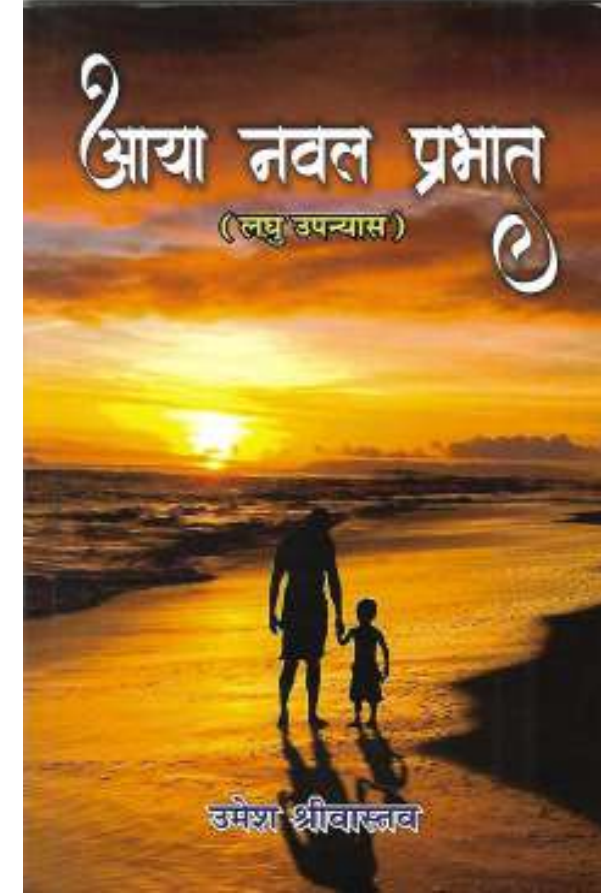
ने कहा, "इन तीनों सलामी बल्लेबाजों को लेकर सोशल मीडिया पर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं। लोगों को समझना चाहिए कि टीम प्रबंधन के फैसले टीम के हित में होते हैं। लोगों की मर्जी के हिसाब से अंतिम एकादश का चयन नहीं किया जा सकता।" कोटक ने सैमसन की विशेष रूप से प्रशंसा की, जिन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, "'संजू दमदार खिलाड़ी है। उन्होंने पहले मैच में जिस तरह से बल्लेबाजी थी वह काबिले तारीफ है। हमारे सामने बड़ा लक्ष्य था। अगर आप कभी खुद को एक बल्लेबाज की जगह रखकर सोचें कि आपको पहले दो ओवरों में तीन या चार छक्के लगाने हैं, तो आपको भी आउट होने का डर लगेगा।" कोटक ने कहा, "अगर आप दो या तीन मैचों में



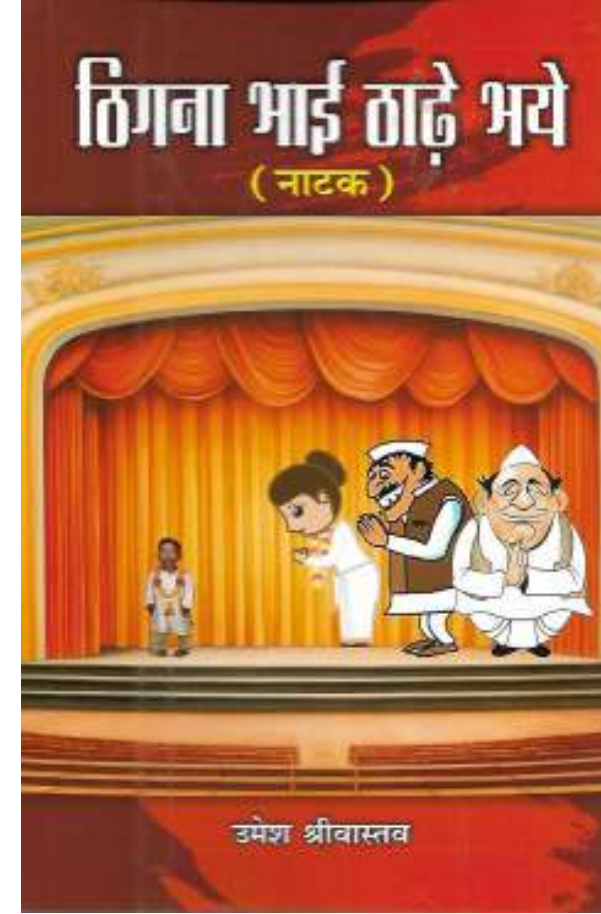
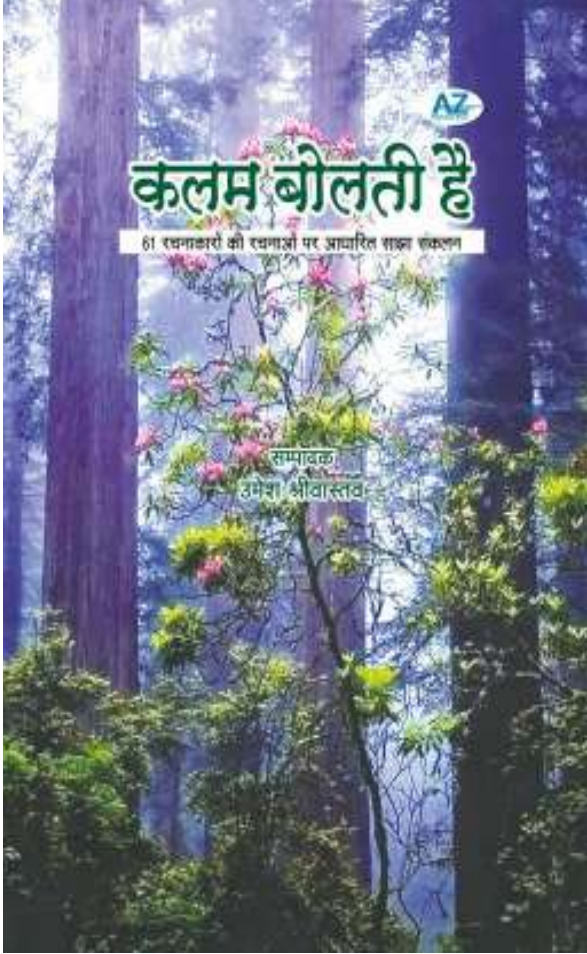
जल्दी आउट हो जाते हैं तो आपको लगेगा कि आपको टीम से बाहर कर दिया जाएगा। लेकिन हमारे सलामी बल्लेबाजों ने अपनी इरादे दिखाए। उनका अपने दिमाग पर भी गजब का नियंत्रण है और वह निडर रवैया अपनाते हैं।" कोटक ने कहा कि इस साल की शुरुआत में सूर्यवंशी के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण को लेकर जो 'हाइप' पैदा की गई वह सही नहीं थी।



चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित



समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेन्जर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।



ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

सुरक्षा कारणों से इंडिगो ने सऊदी अरब की उड़ानें 31 अक्टूबर तक रोकीं

भारतीय विमानन कंपनी 'इंडिगो' ने सुरक्षा संबंधी चिंताओं के बीच सऊदी अरब के लिए अपनी उड़ानों के निलंबित रहने की अवधि बढ़ाकर 31 अक्टूबर कर दी है। रियाद स्थित भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, “रियाद आने–जाने वाली इंडिगो की उड़ानें 31 अक्टूबर 2026 तक रद्द रहेंगी, जबकि जेद्दा, दम्माम



और मदीना आने—जाने वाली उड़ानें 27 अक्टूबर 2026 तक रद्द रहेंगी।” ईरान समर्थित यमन के ह्ती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब के हवाई अड्डों, उर्ज्जा प्रतिष्ठानों और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइल हमले तेज किये जाने के बीच उड़ानें प्रभावित हुई हैं। उड़ानें रद्द करने की अवधि बढ़ाने का यह फैसला बुधवार को दम्माम स्थित किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमले के बाद आया है। इस हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई थी और दो अन्य घायल हो गए थे। अन्य भारतीय विमानन कंपनियों ने भी इससे पहले सऊदी अरब से आने—जाने वाली उड़ानों का निलंबन बढ़ाया था। एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस ने सऊदी अरब के लिए 24 अक्टूबर तक, जबकि अकासा एयर ने 27 अक्टूबर तक उड़ानें निलंबित कर दी हैं।

श्रीलंका कें्रससम में भारत ने 24 परिवारों को सौंपे आवास, 98.6 फीसदी काम पूरा

श्रीलंका में भारतीय उच्चायोग ने अपने 'मॉडल विलेज हाउसिंग प्रोजेक्ट' के तहत लाभार्थियों को गाले जिले में 24 घर प्रदान किए। संबंधित परियोजना श्रीलंका के आवास, निर्माण और जल आपूर्ति मंत्रालय के साथ मिलकर द्वीप के सभी 25 जिलों में लागू की जा रही है, जिसमें भारत सरकार की ओर से अनुदान सहायता दी गई है। उच्चायोग ने बताया कि इस पहल के लिए भारत और श्रीलंका की सरकारों के बीच अक्टूबर 2017 में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। यह परियोजना श्रीलंका में कम आय वाले 600 परिवारों के लिए आवास उपलब्ध कराने से संबंधित है। इसमें हर आदर्श गांव में 24 घर हैं, जो जिला आवास समितियों द्वारा चुने गए परिवारों के लिए हैं। इसके तहत पूर्व में 21 जिलों में आदर्श गांवों का उद्घाटन किया जा चुका है, जिनमें बट्टिकलोवा, वावुनिया, जाफना, कैंडी, गम्पाहा, अनुराधापुरा, बादुल्ला, मटाले, पुट्टलम, कोलंबो, त्रिंकोमाली, मोनारगला, किलिनोच्ची, मन्नार, मुल्लातिवु, रत्नापुरा, अम्पारा, कुरुनेगला, केंगले, कलुतारा और पोलोन्नारुवा शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, परियोजना लगभग 98.6 प्रतिशत पूरी हो चुकी है, और बाकी तीन आदर्श गांवों का जल्द ही उद्घाटन किए जाने तथा लाभार्थियों को घर सौंपे जाने की उम्मीद है।

पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय व्यापार 20 करोड़ डॉलर पहुंचाएगा मालदीव, मुइज्जूनेतय किया लक्ष्य

इस्लामाबाद। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने शुक्रवार को पाकिस्तान की अपनी तीन दिवसीय राजकीय यात्रा के समापन पर कहा कि दोनों देशों का लक्ष्य अगले दो साल के भीतर द्विपक्षीय व्यापार को 1.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर करना है। मुइज्जू ने अपनी इस यात्रा को दोनों देशों के संबंधों में एक “महत्वपूर्ण मोड़” भी बताया। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय के एक बयान के अनुसार, मुइज्जू अपनी राजकीय यात्रा सफलतापूर्वक पूरी करने के बाद इस्लामाबाद से रवाना हो गए। इस यात्रा के दौरान उनके साथ उनकी पत्नी साजिदा मोहम्मद और एक उच्च–स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी था।

बयान में कहा गया है कि मुइज्जू ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ “महत्वपूर्ण और सार्थक बातचीत” की। विदेश कार्यालय ने बताया कि “इस यात्रा के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कई समझौतों पर हस्ताक्षर किये गए और समझौता ज्ञापनों का आदान–प्रदान हुआ। साथ ही, पाकिस्तान–मालदीव बिजनेस फोरम का आयोजन भी किया गया, जिससे व्यापार, निवेश और आपसी सहयोग के लिए नये रास्ते खुले हैं।”

मुइज्जू ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा कि उनकी यह यात्रा “मालदीव–पाकिस्तान संबंधों में एक महत्व्पूर्ण मोड़ है। हम अपने रिश्तों में एक नया अध्याय शुरू करने और साझेदारी के एक नये युग की शुरुआत करने पर सहमत हुए हैं।” मालदीव के राष्ट्रपति ने कहा कि इस नये अध्याय में “अगले दो साल के भीतर द्विपक्षीय व्यापार को 1.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर करने का साझा संकल्प” शामिल किया गया है। मुइज्जू, पिछले 11 वर्ष में पाकिस्तान की राजकीय यात्रा करने वाले मालदीव के पहले राष्ट्रपति हैं।

अब फुल फॉर्म में आया ईरान, एक ही रात में ठोक डाले 7 जहाज, ट्रंप को फिर चुनौती

अमेरिकी दावों जिनमें बार–बार कहा गया कि हमने होर्मुज से ईरान के प्रबुत्व को कमजोर कर दिया है। उनकी सच्चाई पर सवाल तब उठ रहे हैं जब स्टेट ऑफ होर्मुज में रातोंरात सात तेल टैंकरों पर हमला हुआ और सातों में आग लग गई। मीडिया रिपोर्ट बता रही है कि यह टैंकर बीच समंदर में टूट चुके हैं और धधक रहे हैं। इन जहाजों को या तो ईरान ने निशाना बनाया या फिर वह बारूदी सुरंगों की चपेट में आ गए। लेकिन इस वाक्य से साबित हो गया है कि होर्मुज पर ईरान का दबदबा था और दबदबा है। हालांकि एक ही रात में होर्मुज में सात टैंकरों पर हमले की तस्वीक नहीं हो पा रही है। इसकी वजह बताई जाती है कि कुछ शिपिंग कंपनियां तो ऐसे हमलों की रिपोर्ट से भी कतरा जाती हैं। इस बीच ईरान की आईआरजीसी ने अपने बयान में कहा है कि उनकी नेवी होर्मुज स्टेट की निगरानी और कंट्रोल जारी रखे हुए हैं। पहले भी उन शिपिंग कंपनियों को चेतावनी दी गई थी जिन्हें अमेरिकी सेना ने गुमराह किया था और जिन्होंने गैर कानूनी समुद्री रास्तों का इस्ते माल किया था।



आईआरजीसी ने अपने बयान में अमेरिका पर निशाना साधा। उनका कहना था कि अमेरिकी प्रशासन लगातार जहाजों को म से भरे बताए गए गैरकानूनी रास्तों से गुजरने के लिए उकसा रहा है जिससे इस तरह के मामले बढ़ रहे हैं। बयान में चेतावनी दी गई है कि यदि यह टकराव जारी रहा तो इसका असर मौजूद अमेरिकी अड्डों तक पहुंच सकता है। आईआरजीसी ने इसे अमेरिका के लिए एक गंभीर चेतावनी बताया है। इस बीच ईरान के आर्मी चीफ मेजर जनरल अमीर हातमी ने कहा है कि हम असीमित युद्ध यानी

कि एस्मेटिक वारफेयर और इसके लिए जरूरी हथियारों का इस्तेमाल करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने ऐलान किया है कि ड्रोन तकनीक और इंसान के बिना उड़ने और चलने वाली मशीनों पर हमने कमांड हासिल कर ली है। ईरान ने एक रात में सात जहाज मारने से सिर्फ इतना लिखा कि टैंकर 6 दिन पहले भी फारस की खाड़ी का नीला समंदर काला धुआं उठा रहा था। एक तेल टैंकर जो धू–धू करके यहां जल रहा था और ईरानी मीडिया प्रेस टीवी ने उस समय भी दावा किया था कि ईरान की आईआरजीसी नेवी

36 साल बाद पाकिस्तान बॉर्डर पर रूसी सेना, तालिबान के साथ मिलकर भारी गोलीबारी

क्या मध्य एशिया में किसी नए और बड़े खतरे का धमाका होने वाला है? दरअसल रिपोर्र्स के मुताबिक 20 से 27 अक्टूबर के बीच रूस और उज्बेकिस्तान की सेनाएं तरमेज ट्रेनिंग सेंटर में एक विशाल जॉइंट मिलिट्री डील कर रही हैं। तरमेज अफगानिस्तान की उत्तरी सीमा से महज कुछ ही दूरी पर स्थित सबसे रणनीतिक इलाका है। इस अभ्यास में सिर्फ पैदल सैनिक ही नहीं बल्कि भारी तबाही मचाने वाले लड़ाकू हेलीकॉप्टर जमीन पर गस्त लगाने वाले आधुनिक रोबोटिक वॉरफेयर सिस्टम और दुर्गम पहाड़ियों में चपे–चपे पर नजर रखने वाले निगरानी ड्रोन तैनात किए गए हैं। यानी रूस और उज्बेकिस्तान अपनी बॉर्डर सिक्योरिटी को कंक्रीट की दीवार की तरह अमेद बनाने में जुट गए हैं। सवाल उठता है कि आखिर रूस को अफगानिस्तान की सीमा के पास इतना बड़ा सख्ती प्रदर्शन करने की जरूरत क्यों पड़ी? इसके पीछे तीन सबसे बड़े कारण है। पहला आतंकी घुसपैठ का डर। अफगानिस्तान में मौजूद चरमपंथी संगठन और छोटे हथियार बंद गिरोह उज्बेकिस्तान के रास्ते मध्य एशिया में अस्थिरता फैला सकते हैं। दूसरा मध्य एशिया में दबदबा। रूस इस पूरे रीजन



का बिग ब्रदर माना जाता है। ताजाकिस्तान में उसका मिलिट्री बेस पहले से ही और उज्बेकिस्तान के साथ इस झील से पुतिन यह संदेश दे रहे हैं कि मध्य एशिया में रूस का दबदबा कायम रहेगा। तीसरा आधुनिक युद्ध तकनीक का टेस्ट। पथरीले और दुर्गम इलाकों में इंसानी सैनिकों से ज्यादा ड्रॉंस और रोबोटिक असरदार होते हैं। रूस यहां अपनी नई तकनीक का लाइव टेस्ट कर रहा है। अब आइए इस कहानी के सबसे दिलचस्प मोड़ पर आते हैं। एक तरफ जहां रूस सैन्य ताकत के दम पर सीमाएं सील कर रहा है तो वहीं दूसरी तरफ भारत की रणनीति पूरी तरह अलग और

अनोखी है। भारत ने अफगानिस्तान में बंदूकों से नहीं बल्कि विकास और दोस्ती से जगह बनाई है। सलमा डैम से लेकर काबुल की संसद इमारत और टरंज डेलाराम हाईवे तक भारत ने अफगान लोगों का दिल जीत लिया है। भुखमरी और संकट के समय भारत ने लगातार गेहूं, दवाइयां, राहत सामग्री भेजकर यह साबित किया है कि भारत हर हाल में एक सच्चा दोस्त है। अब सवाल है कि क्या भारत और रूस की सोच एक जैसी है? हां भी और ना भी। जहां दोनों एक हैं। भारत, रूस और उज्बेकिस्तान तीनों ही यह कहतई नहीं चाहते हैं कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल

आतंकवाद फैलाने के लिए हो। जहां रास्ते अलग हैं। रूस का ध्यान मिलिट्री अलायंस पर ज्यादा है। जबकि भारत व्यापार, कनेक्टिविटी और मानवीय संबंधों पर फोकस कर रहा है। और यहां काम आता है ईरान का चाबहार पो। चाबहार के जरिए भारत बिना पाकिस्तान पर निर्भर रहे। सीधे अफगानिस्तान और मध्य एशिया के बाजारों तक पहुंच बना रहे। अगर क्षेत्र में शांति रही तो यह चाबहार रूट पूरे एशिया की अर्थव्यवस्था की तकदीर बदल सकता है। तो रूस का यह सैन अभ्यास साफ दिखाता है कि मध्य एशिया में सुरक्षा का माहौल बहुत ही ज्यादा संवेदनशील है।

भाई से शादी करने वाली अमेरिकी सांसद का नाम निकला फर्जी? ट्रंप ने भारत विरोधी एल्हान उमर पर लगाया बड़ा आरोप

अमेरिकी मिड टर्म इलेक्शन से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने रिपब्लिकन उम्मीदवारों के लिए वोट मांग रहे हैं और इस दौरान उनके निशाने पर इल्हान उमर हैं। इल्हान उमर एक सांसद हैं जिन्हें भारत में लोग पाकिस्तान समर्थक और जिहादी मानसिकता वाली भारत विरोधी सांसद मानते हैं। उनके यहां हाल ही में छापा पड़ा तो वापस से मामला गरमाया हुआ है और अब उन्हें लेकर हैरान करने वाली जानकारीयां भी सामने आ रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस जानकारी के सामने आने पर उन्हें सुझाव दिया कि मिनिसोटा की सोमाली अमेरिकी सांसद इलहान उमर को इस्तीफा दे देना चाहिए क्योंकि उन्होंने कांग्रेस में शपथ लेने के लिए एक फर्जी नाम का इस्तेमाल किया। ट्रंप अपनी पार्टी के उम्मीदवारों का समर्थन करने के ओयोवा में थे। लेकिन उन्होंने इस मंच का इस्तेमाल दूसरे राज्यों के डेमोक्रेट्स पर निशाना साधने के लिए किया। इस मामले की जानकारी रखने वाले तीन लोगों ने यह बताया है कि 12 अक्टूबर को इलहान उमर के घर पर मारे गए छापे में अमेरिकी इमीग्रेशन दस्तावेजों से जुड़ी एक विस्तृत जांच की जा रही है और यह छापामारी उसी का हिस्सा थी। इसके बाद से ही ट्रंप उन्हें लेकर

हमलावर हैं और चुनावी रैलियों से लेकर सोशल मीडिया तक उनके खिलाफ बयान दे रहे हैं और उनके भाई के साथ कथित तौर पर शादी करने के मामले को खूब उछाल रहे हैं और अब उनके हाथ उनका असली नाम भी लग गया है। जिसे लेकर वह यह कह रहे हैं कि उनका नाम भी फर्जी है तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। उमर पर यह आरोप पहली बार साल 2016 में लगा।



आलोचकों का दावा है कि उसने नागरिकता हासिल करने के लिए 2009 में अहमद नूर सैद एलमी से शादी की जो उसके भाई हैं। राष्ट्रपति ट्रंप उमर की इमीग्रेशन बैकग्राउंड का मुद्दा समय पर उठाचे रहते हैं। ट्रंप ने आरोप लगाया कि उमर अवैध रूप से अमेरिका आई और अपने भाई से शादी करके अमेरिका की नागरिकता ले ली। हालांकि ट्रंप के आरोप पर इल्हान उमर के कार्यालय ने रिपोर्ट को खारिज कर दिया। उनके कार्यालय ने कहा, श्यह पूरी तरह झूठ है। इल्हान उमर ही उनका असली नाम है। 40 साल की इल्हान सोमालियाई अमेरिकी राजनेता हैं जो साल 2019 से मिनिसोटा में चुनाव जीतकर हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में आई थी।

गई समुद्री माइंस किस कदर एक्टिव हैं। अब तो खबर यह भी आ रही है कि अगर जंग बढ़ती है या तनाव बढ़ता है तो समंदर के नीचे बिछे हुए जो तार हैं जिससे इंटरनेट सेवाएं दी जाती हैं उन पर भी ईरान हमला कर सकता है। ईरान के तेवर बता रहे हैं कि वह रस्ती भर भी टस से मस नहीं हुआ है अपने इरादों से। वहीं इस बार ईरान का दावा है कि उसने होर्मुज से गुजर रहे सात जहाजों को इसलिए मारा क्योंकि उन्हें फारस की खाड़ी के उत्तरी हिस्से में तेल के कारगो एक जहाज से दूसरे जहाज में ट्रांसफर करते हुए पाया गया था। इसके बाद इन चारों जहाजों को एक साथ निशाना बनाया गया। उनमें आग लग गई। जबकि तीन जहाज बारूदी सुरंगों से जाकर टकरा गए। अमेरिका और इसराइल के साथ जारी भयानक महासंग्राम के बीच ईरान तो कतई झुकने को तैयार नहीं है। अपने 22,000 पाउंड वजनी महाविनाशकारी जीयू43 बाय बी यानी एमओएवी माने मदर ऑफ ऑल बम्स को दागने का प्लानिंग कर रहे हैं। वहीं तेहरान से आई इस खौफनाक चेतावनी ने पेंटागन के होश उड़ा दिए। ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी के मुताबिक इस्लामिक रिवोलशनरी गार्ड कॉर्प्स के प्रवक्ता हुसैन मोहबबी ने वाशिंगटन को सीधे ललकारते हुए कहा अगर अमेरिका के पास मदर ऑफ ऑल बम्स है तो हम उन्हें फादर ऑफ ऑल बम्स दिखाएंगे और यह उनके लिए एक ऐसा बिल्कुल नया और भयानक तजुर्बा होगा जिसे वे कभी भूल नहीं पाएंगे। द न्यूयॉर्क टाइम्स का सनसनीखेज रिपोर्ट की मान तो अमेरिका नवंबर के शुरुआती हफ्ते तक फारस की खाड़ी में अपनी सैन्य ताकत का ऐसा सैलाब जुटाने जा रहा है जिसमें तीन–तीन विमान वाहक पोत हजारों मरीन कमांडो फाइटर जेट्स और स्पेशल ऑपरेशंस फोर्सेस शामिल हैं। अमेरिका इस विशाल सैन्य घेराबंदी के दम पर ईरान को बातचीत के मेज पर झुकाना चाहता है ताकि परमाणु कार्यक्रम और होरमू जलडमरू मध्य पर अपना कब्जा जमा सके। लेकिन ईरानी वार्ताकारों ने परमाणु समझौते पर रस्ती भर भी रियायत देने से साफ तौर पर इंकार कर दिया।



UNSC में निष्पक्ष प्रतिनिधित्व न होने से शांति स्थापना में आ रही बाधा : भारत

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने दुनिया के कुछ “सबसे गंभीर” संघर्षों में शांति और सुलह कायम करने में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के जूझने का जिक्र करते हुए कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध में मिली जीत के आधार पर हासिल अधिकार आज की ऐसी सुरक्ष परिषद की वैधता की कमी की भरपाई नहीं कर सकते, जिसमें दुनिया के सभी देशों को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत हरीश पर्वतनेनी ने बृहस्पतिवार को कहा कि जो संगठन अपने प्रमुख अंग में बदलाव नहीं कर सकता, उसके लिए 1945 के बाद से काफी आगे बढ़ चुकी दुनिया में अपना प्राधिकार कायम रखना लगातार मुश्किल होता जाएगा। पर्वतनेनी ने यहां संयुक्त राष्ट्र महासभा में ‘सुरक्षा परिषद में समान प्रतिनिधित्व और उसकी सदस्य संख्या बढ़ाने का सवाल’ विषय पर चर्चा के दौरान कहा, “इसकी कीमत पहले ही दिखाई दे रही है। 80 साल बाद भी यह संगठन परिषद के सामने मौजूद कुछ सबसे गंभीर संघर्षों में शांति और सुलह कायम करने में जूझ रहा है।” भारतीय राजदूत ने कहा, “आठ दशक पहले मिली जीत से हासिल अधिकार आज की ऐसी सुरक्षा परिषद की वैधता की कमी की भरपाई नहीं कर सकता, जिसमें सभी का उचित प्रतिनिधित्व नहीं है।” पर्वतनेनी ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद स्थापित वैश्विक संगठन की कमियों और मौजूदा भू–राजनीतिक चुनौतियों तथा संघर्षों से निपटने में उसकी नाकामियों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, “कोई भी युद्ध, खासकर 80 साल से भी पहले हुआ युद्ध, आज दुनिया की स्थिति तय नहीं कर सकता।” उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना 1945 में हुई थी, लेकिन आज के संयुक्त राष्ट्र के लिए उस वर्ष को ही एकमात्र आधार मानकर फैसले नहीं लिए जा सकते। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी उस दौर से बहुत दूर आ चुकी है, जब इस संगठन का गठन हुआ था। पर्वतनेनी ने कहा, “इतिहास हमें यह बता सकता है कि क्या नहीं करना चाहिए लेकिन समकालीन चुनौतियों से निपटने के लिए आज क्या किया जाना चाहिए, यह इतिहास तय नहीं कर सकता।” उन्होंने कहा कि संघर्षों के बढ़ने और सुरक्षा परिषद के उन पर प्रभावी प्रतिक्रिया देने में जूझने के कारण संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं। भारत ने विश्व युद्धों में विभिन्न देशों के बलिदानों को जानबूझकर दबाए जाने के मुद्दे को भी उठाया। उसने कहा कि विजेताओं द्वारा, विजेताओं के लिए और विजेताओं के हाथों बनाया गया संगठन युद्ध के पीड़ितों की चिंताओं को शामिल करने में विफल रहा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो

शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक
(तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा
कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज,
विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई
लूकरांज, इलाहाबाद से
मुद्रित कराकर
289/238ए,कर्नलगंज
इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित

शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र

सुनहरा अवसर

समस्त जनपदों में • तहसील • ब्लॉक / शहर में

भर्ती - निम्न पदों हेतु

- ब्यूरो प्रमुख
- चीफ रिपोर्टर
- संवाददाता
- प्रतिनिधि मण्डल

- समाचार संकलन एवं ब्यूरो संचालन हेतु
- क्षेत्रीय रिपोर्टिंग व समाचार कवरेज हेतु
- स्थानीय समाचार, घटनाओं की रिपोर्टिंग हेतु
- जिला/तहसील/ब्लॉक स्तर पर प्रतिनिधित्व हेतु

आकर्षक वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी

पात्रता एवं विवरण

- पत्रकारिता में रुचि रखने वाले अनुभवी/नवीन दोनों आवेदन कर सकते हैं
- स्थानीय खबरों की समझ और हिन्दी लेखन क्षमता आवश्यक
- सकलान जुड़ने के इच्छुक

संपर्क सूत्र:

919005239332 919450482227

संपर्क करें: शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र कार्यालय, प्रयागराज

हमारे साथ जुड़ें और पत्रकारिता में बनाएँ अपना भविष्य !